मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 7 अंक 140
बुधवार, 04 दिसम्बर 2024
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

ट्रंप की टैरिफ धमकी का भारत ने दिया संयमित और सशक्त जवाब, जानें क्या बोले विदेश मंत्री जयशंकर

नईदिल्ली, 3 दिसंबर। संसद के शीतकालीन सत्र में आज ऐसा पहला दिन था जब दोनों सदनों में कामकाज हुआ। शीतकालीन सत्र के पहले के छह दिन पूरी तरीके से बर्बाद रहे क्योंकि विपक्ष के हंगामे की वजह से दोनों सदनों में कामकाज नहीं हो सका था। हालांकि आज भी शुरूआत में विपक्ष का हंगामा देखने को मिला। लेकिन सदन में कामकाज जारी रहा। तेल क्षेत्र (नियमन एवं विकास) संशोधन विधेयक 2024 को राज्यसभा से मंजूरी मिली। वहीं, लोकसभा में विदेश मंत्री ने चीन के साथ संबंधों को लेकर बयान दिया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सदन में 13 और 14 दिसंबर को संविधान पर चर्चा होने की सूचना देते हुए मंगलवार को कहा कि यदि सदन की कार्यवाही बाधित रही तो शनिवार और रविवार को भी बैठक होगी।

केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को लोकसभा में आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में ह्यमहात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी (मनरेगा) योजना के तहत बजट आवंटन का दुरुपयोग किया गया तथा अपात्र लोगों को लाभ पहुंचाने का अपराध किया गया है। चौहान ने सदन में प्रश्नकाल के दौरान तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी के पूरक प्रश्न पूछे जाने के बाद यह टिप्पणी की। बनर्जी ने पूरक प्रश्न पूछते हुए आरोप लगाया कि मनरेगा के बजट आवंटन में पश्चिम बंगाल के साथ भेदभाव किया जा रहा है और उसे देय राशि रोकी गई।

समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश के संभल में पिछले दिनों हुई हिंसा को सोची-समझी साजिश करार देते हुए मंगलवार को लोकसभा में मांग की कि घटना के लिए जिम्मेदार पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों को निलंबित किया जाए और उन पर हत्या का मुकदमा चलाया जाए। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सदन में प्रश्नकाल के दौरान द्रमुक नेता टी आर बालू से चुटीले अंदाज में सवाल किया कि क्या वह उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश और गुजरात में अपनी पार्टी का विस्तार करना चाहते हैं। उन्होंने यह टिप्पणी उस वक्त की जब बालू ने मनरेगा से जुड़ा पूरक प्रश्न पूछा। वहीं, लोकसभा में मंगलवार को शून्यकाल शुरू होने से पहले कार्यसूची में विभिन्न मंत्रियों के नाम से अंकित दस्तावेज संसदीय कार्य राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल द्वारा प्रस्तुत किए जाने पर अप्रसन्नता जताते हुए अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि संबंधित मंत्रियों को सदन में उपस्थित रहना चाहिए।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कुछ सप्ताह पहले चीन के साथ तनाव कम करने के लिए हुए समझौते के बारे में मंगलवार को लोकसभा को सूचित किया और कहा कि इस सरकार का रुख स्पष्ट है कि बीजिंग के साथ संबंधों के विकास के लिए सीमा पर शांति जरूरी है। उन्होंने निचले सदन में भारत-चीन संबंधों की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और गलवान घाटी की झड़प के बारे में संक्षिप्त जानकारी देते हुए कहा कि भारत और चीन के संबंध 2020 से असामान्य रहे, जब चीन की कार्रवाइयों की वजह से सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति बाधित हुई।

संभल हिंसा का पाकिस्तान कनेक्शन! पुलिस को नाली में मिला पुख्ता सबूत, फोरेंसिक टीम जांच में जुटी

संभल, 3 दिसंबर। जामा मस्जिद में सर्वे के दौरान हुए बवाल के बाद पुलिस ने मस्जिद के आसपास क्षेत्र में सघन जांच की। मेटल डिटेक्टर के साथ पहुंची पुलिस टीम को नालियों और झाड़ियों की सफाई के दौरान दो कारतूस के खोखे और तीन पिस्टल की गोलियां बरामद हुई हैं।

बरामद कारतूस के तीन खोखा में पीओएफ लिखा है, जिसे पाकिस्तान ऑर्डिनेंस फैक्ट्री का माना जा रहा है। दूसरा अमेरिका में बना है और तीसरे के बारे में फोरेंसिक टीम जांच कर रही है। 24 नवंबर को हुई हिंसा को पाकिस्तानी कनेक्शन से जोड़ा जा रहा है। पुलिस अब इसको लेकर ज्यादा सतर्क हो गई है। संभल की जामा मस्जिद में मंदिर होने का दावा पेश किए जाने के बाद 24 नवंबर को शुरू हुआ दूसरे चरण का सर्वे पूरा होने से पहले ही उपद्रवियों ने पुलिस पर पथराव व फायरिंग शुरू कर दी थी।

जवाब में पुलिस को भी फायरिंग करनी पड़ी थी। हिंसा में चार लोगों की मौत हो गई और डेढ़ दर्जन पुलिसकर्मी व अधिकारी घायल हो गए थे। इसके बाद पुलिस ने अपनी पड़ताल शुरू कर दी। मंगलवार को मस्जिद के आसपास नालियों की सफाई कराई गई, जिसमें कारतूसों के खोखे पड़े होने की सूचना सफाई कर्मियों द्वारा पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंचे पुलिस अफसरों के साथ फोरेंसिक टीम भी पहुंच गई मेटल डिटेक्टर से जांच की गई तो कीचड़ में छह कारतूसों के खोखे मिले। इनमें से एक पर पीओएफ लिखा है जो पाकिस्तान ऑर्डिनेंस फैक्ट्री में बना है, दूसरे पर यूएसए का निशान है। इसे पुलिस अमेरिका का का मान रही है। तीसरे पर एफएन स्टार लिखा है, जिसके बारे में जांच कराई जा रही है। इसके अलावा तीन पिस्टल के कारतूसों के खोके भी मिले हैं, यहीं के बने हुए हैं।

कई सवालों के बीच एकनाथ शिंदे से मिले पहुंचे देवेंद्र फडणवीस

मुंबई, 3 दिसंबर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता देवेन्द्र फडणवीस मंगलवार को महाराष्ट्र के कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से मिलने मुंबई के वर्षा बंगले पहुंचे। यह बैठक बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि इसे 5 दिसंबर को मुंबई के आजाद मैदान में होने वाले शपथ ग्रहण समारोह से पहले सत्ता-साझाकरण फॉमूर्ले को अंतिम रूप देने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। सरकार गठन पर गतिरोध शुरू होने के बाद से फडणवीस और शिंदे के बीच यह पहली मुलाकात है।

सूत्रों ने कहा कि अगली सरकार में गृह मंत्रालय के पद पर शिंदे ने सख्त रुख अपनाया है जिसे भगवा पार्टी भी अपने पास रखना चाहती है। वहीं, कई दिनों की व्यस्त बातचीत के बाद आश्चर्यजनक उलटफेर करते हुए एकनाथ शिंदे आने वाली महायुति सरकार में उपमुख्यमंत्री के रूप में काम करने के लिए सहमत हो गए हैं। सूत्रों के मुताबिक, बीजेपी के देवेन्द्र फडणवीस मुख्यमंत्री पद पर वापसी के लिए तैयार हैं। शिंदे 5 दिसंबर को मुंबई में एक हाई-प्रोफाइल शपथ ग्रहण समारोह में फडणवीस और राकांपा नेता अजित पवार के साथ शपथ लेंगे।

यह शिंदे के रुख में एक महत्वपूर्ण बदलाव का प्रतीक है। दो साल तक महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के रूप में नेतृत्व करने वाले शिवसेना प्रमुख कथित तौर पर फड़णवीस के तहत डिप्टी की भूमिका स्वीकार करने के लिए अनिच्छुक थे। शपथ ग्रहण के बाद महायुति गठबंधन के तीन सहयोगियों- बीजेपी, शिवसेना और एनसीपी के बीच कैबिनेट पदों और विभागों का आवंटन होने की उम्मीद है। इस बीच, मंगलवार को कई रिपोर्टों में 17 संभावित भाजपा मंत्रियों के नाम सुझाए गए, जिन्हें महायुति सरकार में शामिल किए जाने की संभावना है। मुंबई क्षेत्र से भाजपा मंत्री आशीष शेलार, मंगल प्रभात लोढ़ा, राहुल नार्वेकर, रवींद्र चव्हाण, गणेश नाइक, नितेश राणे और अतुल भातखलकर को शामिल किए जाने की संभावना है।

इसके अलावा, रिपोर्टों के अनुसार, एकनाथ शिंदे सहित सात शिवसेना मंत्रियों के कैबिनेट में शामिल होने की संभावना है। इन मंत्रियों के नाम हैंः शंभुराज देसाई, दादा भुसे, गुलाबराव पाटिल, संजय राठौड़, उदय सामंत और अर्जुन खोतकर। महाराष्ट्र कैबिनेट का हिस्सा बनने वाले संभावित मंत्रियों की सूची तब आई है जब शिवसेना और भाजपा चर्चा के अंतिम चरण में प्रवेश कर चुके हैं। इस बीच, एनसीपी प्रमुख अजित पवार के महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री बने रहने की उम्मीद है, साथ ही कई अन्य नेताओं के मंत्रिमंडल में शामिल होने की संभावना है। इनमें छगन भुजबल, अदिति तटकरे, धनंजय मुंडे, संजय बनसोडे, अनिल भाईदास पाटिल और नरहरि ज़िरवाल शामिल हैं।

भाजपा सांसद ने उठाया रोहिंग्याओं का मुद्दा

नई दिल्ली/कोलकाता। भाजपा सांसद समिक भट्टाचार्य ने बंगाल में रोहिंग्याओं के कारण राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बढ़ते खतरे का मुद्दा उठाते हुए राज्य की ममता बनर्जी सरकार पर वोट बैंक के लिए अनदेखी का आरोप लगाया है। राज्यसभा में शून्यकाल के दौरान यह मुद्दा उठाते हुए भट्टाचार्य ने कहा कि कोलकाता में राष्ट्रीय महत्व के संस्थान नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूक्लियर फिजिक्स के बाहर एक बड़े इलाके पर अवैध कब्जा कर लिया गया है। यह कब्जा रोहिंग्याओं ने किया है, जो बांग्लादेश से अवैध तरीके से आए हैं। इन रोहिंग्याओं के कारण राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है, क्योंकि यह संवेदनशील संस्थान है। भट्टाचार्य ने आरोप लगाया कि संस्थान के प्रमुख ने पुलिस और जिला प्रशासन से चार बार इसकी शिकायत की है। मगर जानबूझकर कोई कार्रवाई नहीं की गई, क्योंकि ममता सरकार उन्हें हटाना नहीं चाहती है।

सेना में अस्थायी नौकरी के नाम पर ठगी, एसटीएफ ने एक को पकड़ा

आगरा, 3 दिसंबर। सेना की कैंटीन में अस्थाई नौकरी दिलाने के नाम पर लोगों से ठगी करने वाले गिरोह के एक सदस्य को मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया गया। सेना की इंटेलिजेंस और एसटीएफ ठगी के संबंध में जांच कर रही थी। ठगी के गैंग में शामिल कैंटीन के स्टोर में कंप्यूटर ऑपरेटर को एसटीएफ ने सोमवार रात गिरफ्तार किया। आरोपित ने पूछताछ में ठगी की रकम वर्तमान में जम्मू में तैनात दो सेना के हवलदारों को देने की जानकारी दी है। एसटीएफ ने सदर थाने में मुकदमा दर्ज करवाया है। पुलिस और जानकारी जुटा रही है। एसटीएफ की आगरा यूनिट के प्रभारी इंस्पेक्टर यतेंद्र शर्मा ने बताया कि इटावा के जसवंतनगर के अनिल यादव ने सेना की इंटेलीजेंस को कैंटीन में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी की शिकायत की थी। आरोप लगाया था कि कैंटीन डिपो में तैनात देवरी रोड के मनोज उर्फ धीरेंद्र लोगों को कैंटीन में अस्थाई नौकरी का लालच देता है। सेना के हवलदार क्लर्क मनीष भदौरिया और जसकरन पठानिया के लिए ठगी कर रकम उन्हें दे रहा है। उनके साथ और कई अन्य लोगों से नौकरी लगाने के नाम पर 18 लाख से ज्यादा रुपये लिए गए हैं। किसी को भी नौकरी नहीं मिली है। सेना के इंटेलिजेंस और एसटीएफ जांच कर रही थी। सोमवार को सेना द्वारा मिली जानकारी के बाद एसटीएफ ने मधु नगर चारैराहे से आरोपित मनोज उर्फ धीरेंद्र को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के पास से उसके अन्य साथियों के बैंक खाते में रुपये भेजने की पर्ची, बाइक और नगदी के साथ खुद के खाते का स्टेटमेंट मिला है। थाना सदर में धोखाधड़ी समेत कई धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। पूछताछ में आरोपित मनोज ने बताया कि उसकी खुद की स्टोर डिपार्टमेंट में कंप्यूटर ऑपरेटर की अस्थायी नौकरी है। सेना के हवलदार क्लर्क मनीष भदौरिया और उसका दोस्त जसकरन पहले आगरा में तैनात थे। मनीष ने उससे दिल्ली में सेना के बड़े अधिकारियों से संबंध होने की बात कही थी।

दक्षिण कोरिया में लगा मार्शल लॉ, राष्ट्रपति बोले- उत्तर कोरिया के साथ मिला विपक्ष

सियोल, 3 दिसंबर। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक योल ने मंगलवार को देश के विपक्ष पर संसद को नियंत्रित करने, उत्तर कोरिया के साथ सहानुभूति रखने और सरकार को राज्य विरोधी गतिविधियों से पंगु बनाने का आरोप लगाते हुए साउथ कोरिया में आपातकालीन मार्शल लॉ की घोषणा की। दरअसल, उन्होंने साउथ कोरिया के राष्ट्रपति ने एक टेलीविजन ब्रीफिंग में यह घोषणा की, जिसमें उन्होंने उत्तर कोरिया समर्थक ताकतों को खत्म करने और संवैधानिक लोकतांत्रिक व्यवस्था की रक्षा करने की कसम खाई।

राष्ट्रपति के इस फैसले से देश के शासन और लोकतंत्र पर क्या असर पड़ेगा इसको लेकर अभी अभी कुछ कहा नहीं जा सका है। हालांकि, इस कदम का राजनेताओं ने तुरंत विरोध किया, जिसमें उनकी अपनी रूढ़िवादी पार्टी के नेता हान डोंग-हून भी शामिल थे, जिन्होंने इस निर्णय को गलत बताया और लोगों के साथ मिलकर इसे रोकने की बात कही। वहीं, दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यूं सुक योल के इस फैसला का विपक्षी भी विरोध कर रहे हैं। विपक्षी नेता ली जे-म्यांग ने आपातकालीन मार्शल लॉ की घोषणा को अवैध और असंवैधानिक बताया है।

जानकारी के अनुसार यून सुक योल दक्षिण कोरिया के औपचारिक नाम का हवाला देते हुए एक टेलीविजन भाषण के दौरान कहा, ₹इस मार्शल लॉ के जरिए, मैं कोरिया के स्वतंत्र गणराज्य का पुनर्निर्माण और सुरक्षा करूंगा, जो राष्ट्रीय बबार्दी की गहराई में गिर रहा है।₹

उन्होंने लोगों से उन पर विश्वास करने और कुछ असुविधाओं को सहन करने के लिए कहते हुए कहा, ₹मैं जितनी जल्दी हो सके राज्य विरोधी ताकतों को खत्म कर दूंगा और देश को सामान्य बना दूंगा। राष्ट्रपति यून सुक योल की स्वीकृति रेटिंग हाल के महीनों में गिर गई है।₹

साल 2022 में पदभार ग्रहण करने के बाद से विपक्ष द्वारा नियंत्रित संसद के खिलाफ अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि यून की रूढ़िवादी पीपुल्स पावर पार्टी अगले साल के बजट बिल को लेकर उदार विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी के साथ गतिरोध में फंस गई थी। विपक्ष

सांस्कृतिक पहचान को कुचलने की कुचेष्टाएं कब तक?

-ललित गर्ग

भारत की समृद्ध सांस्कृतिक, धार्मिक एवं आर्थिक विरासत को कुचलने की चेष्टाएं अतीत से लेकर वर्तमान तक होती रही है। बहुत बड़ा सच है कि अगर किसी देश को नष्ट करना है तो उसकी सांस्कृतिक पहचान को खत्म कर दो। देश अपने आप नष्ट हो जाएगा। भारत पर हमला करने वाले विदेशी आक्रांताओं ने यही किया। इस्लामी आक्रांताओं ने न सिर्फ धन-संपदा लूटी बल्कि भारत की सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान को खत्म करने के लिए बड़े पैमाने पर मंदिरों और धार्मिक स्थलों को तोड़ कर मस्जिदें बना दीं। भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति के शत्रु एवं तथाकथित धर्म-निरपेक्षता की राजनीति करने वाले नेता इस बात को अधिक बेहतर समझते हैं, अतः उन्होंने इतिहास को झुठलाने, धुंधलाने और काल्पनिक बातें गढ़ने एवं फैलाने पर ध्यान केंद्रित किया। हमारे नेताओं-नीतिकारों की नासमझी के कारण ही इसमें वे सफल भी रहे हैं। क्या यह स्थिति बदल रही है? देश में कुछ लोग सही इतिहास को उजागर करने एवं ऐतिहासिक विरासत को धुंधलाने एवं कुचलने की कुचेष्टाओं का परिमार्जन करने के लिये तत्पर हुए है, इसी का परिणाम है कि सैकड़ों वर्षों की गुलामी के बाद आज सनातन संस्कृति का पुनरुद्धार हो रहा है। अयोध्या, काशी, मथुरा के बाद संभल और अजमेर दरगाह जैसे मामलों में साक्ष्यों और दस्तावेजों के आधार पर भारत की सांस्कृतिक पहचान के प्रतीकों को हासिल करने के प्रयास हो रहे हैं। ऐसे प्रयासों के द्वारा अशांति फैलाने का लक्ष्य नहीं है, बल्कि इतिहास बड़ी भूलों को सुधारना एवं वास्तविक तथ्यों को सामने लाना है। लेकिन, इसमें एक बड़ी बाधा है पूजा स्थल अधिनियम, 1991, जो देश में आजादी से पहले से मौजूद धार्मिक स्थलों जुड़े तथ्यों की खोजबीन की भी अनुमति नहीं देता है? क्या इसके चलते देश में आक्रांतवादी सोच एवं देश की विरासत को धुंधलाने की

कोशिश पर पर्दा ही पड़ा रहेगा? ऐतिहासिक अन्याय, अत्याचार एवं राष्ट्र-विरोधी सोच एवं सच्चाई तो सामने आनी ही चाहिए। इस देश में उन विघटनकारी एवं संस्कृति-विरोधी लोगों की मर्जी कब तक चलती रहेगी? कब तक बात-बेबात हंगामा होता रहेगा? कब तक सांस्कृतिक पहचान को बेमानी साबित करने के षडयंत्र होते रहेंगे? इस सच से इंकार नहीं किया जा सकता कि इतिहास से न केवल छेडछाड़ हुई है बल्कि समृद्ध सांस्कृतिक इतिहास को निस्तेज भी किया गया है। इसी बात को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने उजागर करते हुए कहा कि हमारे इतिहास के साथ छेड़छाड़ की गई है। अतीत में यह बात प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से लेकर गृहमंत्री अमित शाह भी कह चुके हैं, यह बात पूर्व में भी बार-बार अनेक नेताओं ने कही है, लेकिन इतिहास को सही रूप में पेश करने का काम नहीं हो पा रहा है और वह भी तब, जब सभी इससे परिचित हैं कि सच्चे इतिहास की जानकारी के अभाव में लोगों के बीच नासमझी की खाई चोड़ी ही होती है, झूठे इतिहास को ही लोग सच मानने से उनकी अपनी परम्परा एवं इतिहास के प्रति आस्था की बजाय घृणा बढ़ती है। अपनी इतिहास एवं संस्कृति की विलक्षण एवं विशेषताओं से दूरी बनाकर झूठे इतिहास के कसीदें पढ़ने से राष्ट्र के प्रति गौरव का भाव क्षीण होता है। ऐसी स्थितियों में राष्ट्रीय एकता, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के गौरवपूर्ण क्षण कैसे सामने आ सकते हैं। झूठे इतिहास के कारण लोग संगठित कैसे हो सकते हैं? उनके स्वर विपरीत ही होते हैं, जिससे एक-दूसरे से जुड़ना तो दूर आपसी द्वेष, नफरत एवं द्वंद्व की स्थितियां ही राष्ट्र पर हावी होती है। सही इतिहास जानने की इस महत्ता से हमारे नीति-निमार्ता अनभिज्ञ रहे हैं। अन्यथा इस विषय पर यहां इतनी दलबंदी न होती। हमें एक असहिष्णु, उन्मादी एवं कट्टरवादी समाज बनने के रास्ते पर ही नहीं, बल्कि भीतर से ज्यादा से ज्यादा विभाजित एवं कमजोर समाज बनने के रास्ते पर धकेला जा रहा है। इस तरह की स्थितियां एवं मुहिमें देश की एकता एवं अखण्डता पर आघात करती है।

भारतीयों ने गणित व खगोल विज्ञान पर प्रामाणिक व आधारभूत खोज की। शून्य का आविष्कार, पाई का शुद्धतम मान, सौरमंडल पर सटीक विवरण आदि का आधार भारत में ही तैयार हुआ। वसुधैव कुटुम्बकम का विचार इसी देश ने किया। अहिंसा यहां की जीवनशैली का सौन्दर्य रहा है, विविधता में एकता को हमने जीकर दिखाया है, लेकिन हमारी उदारता को आक्रांताओं एवं विभाजनकारी ताकतों ने हमारी कमजोरी मान लिया है। यही कारण है कि तात्कालिक एवं अतीत की कुछ नकारात्मक घटनाओं व प्रभावों ने जो धुंध हमारी सांस्कृतिक जीवन-शैली पर आरोपित की है, उसे सावधानी पूर्वक हटाना होगा। आज आवश्यकता है कि हम अतीत की सांस्कृतिक धरोहर को सहेजें और सवारें तथा उसकी मजबूत आधारशिला पर खडे.होकर नए मूल्यों व नई संस्कृति को निर्मित एवं विकसित करें। ऐसा करके ही हम नया भारत-सशक्त भारत निर्मित कर पायेंगे। समृद्ध संस्कृति भारत की एक विरासत है। इसमें धर्म, अध्यात्मवाद, ललित कलाएं, ज्ञान विज्ञान की विविध विधाएं, नीति, दर्शन, विधि, विधान, जीवन प्रणालियां और वे समस्त क्रियाएं और कार्य हैं जो उसे महान बनाती है। समय-समय पर इसका विविध संस्कृतियों के साथ संघर्ष, मिलन, परिवर्तन, परिवर्धन और आदान-प्रदान हुआ है। भारतीयों की अनेक भावनाओं पर शताब्दियों से समय-समय पर आती रहने वाली विविध जातियों ने बहुत पहले से ही अपना न्यूनाधिक प्रभाव डाल रखा था। परंतु इस्लाम के आ जाने पर भारतीय संस्कृति में एक हलचल सी मच गयी, सांस्कृतिक विरासत को ध्वस्त करने के सलक्ष्य प्रयत्न हुए, कला, धार्मिकता, शिल्प के मन्दिरों को ध्वस्त करके मस्जिदों का निर्माण कराया गया। लेकिन इन ऐतिहासिक भूलों को सुधारने का अवकाश तो हमेशा से रहा है।

सर्वोच्च न्यायालय ने संभल मस्जिद मामले में 29 नवंबर 2024 को स्थानीय अदालत की कार्यवाही पर अस्थायी रोक लगा दी। इस मामले में विपक्षी दल विशेषतः कांग्रेस एवं समाजवादी पार्टी उत्तरप्रदेश सरकार को जबरन घसीट रही है, जबकि सर्वोच्च अदालत शांति बनाये रखने के लिये मामले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय को सुनवाई करने का निर्देश दिया है। 24 नवंबर को अदालती निर्देश पर हुए सर्वे के दौरान खूनी हिंसा, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई थी, उसके बाद सर्वोच्च न्यायालय ने जो निर्णय दिया, उसका मर्म यह है कि मामले में फैसला इस बात पर निर्भर करेगा कि क्या सच है या फिर कौन समुदाय कितना उपद्रव करता है और वह शासन-व्यवस्था के लिए कितनी बड़ी चुनौती बन सकता है। अर्थात चाहे अन्याय कितना भी बड़ा हो, अदालत न्याय से अधिक शांति-सद्भावना को वरीयता देगी। देरसबेर न्याय होता हुआ देखा भी गया है, अयोध्या में बना श्रीराम मन्दिर इस का उदाहरण है।

आक्रांताओं द्वारा नष्ट किए गए धार्मिक स्थल सिर्फ धार्मिक प्रतीक नहीं हैं, बल्कि वे भारत की सभ्यता एवं संस्कृति की ऊंच रोशनी की मीनारें है। कांग्रेस ने इनके दमन का ही सिलसिला जारी रखा। इस तरह इतिहास का मिथ्याकरण और देश की नई पीढ़ी को उनके पूर्वजों के वास्तविक अनुभवों को जानने से वंचित रखना हर हाल में गलत है, त्रासद है, विडम्बनापूर्ण है। कठोर वास्तविकताएं एवं समृद्ध सांस्कृतिक विरासत भारत का यथार्थ है तो अप्रिय प्रवृत्तियां, विभाजनकारी सोच एवं समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का विध्वंस भी बड़ा यथार्थ है। मुगल शासक हो या अंग्रेजी शासक या आजादी के बाद की सरकारें -राजनीतिक उद्देश्यों एवं वोट की राजनीति के चलते मुस्लिम तुष्टीकरण को अपनाया। यही कारण है कि भारत पर अन्याय-अत्याचार करने एवं आक्रांता बन देश को लुटने वालों को हमने हीरो बनाया और उनके नाम पर प्रमुख मार्गों का नामकरण किया, पाठ्य-पुस्तकों में उनको महिमामंडित किया। लेकिन यहां लंबे समय से इतिहास और वर्तमान के अप्रिय प्रसंगों पर चुप्पी की परंपरा बनी हुई है। अब यह चुप्पी टूट रही है तो निश्चित ही दूध का दूध एवं पानी का पानी होकर रहेगा। भारत अपनी समृद्ध विरासत को पुनः नये शिखर पर स्थापित कर पायेगा। मस्जिदें हो या अन्य ऐतिहासिक धरोहर -उनके झूठे इतिहास एवं तथ्यों और उनके तमाम प्रचलित निष्कर्ष निराधार हैं, भ्रामक है, बेबुनियाद है, जिन्हें राजनीतिक उद्देश्य से प्रचारित किया गया। जबकि सच्ची बातों और कटु स्मृतियों का दमन हुआ। हालांकि ऐसी स्मृतियां मिटती नहीं, वे तो ज्वालामुखी होकर फटती हैं, सच को सामने लाती है।

क्या टीएमसी, सपा और आम आदमी पार्टी इंडिया गठबंधन से किनारा करना चाहती है?

अशोक भाटिया

सोमवार को संसद की कार्यवाही शुरू होने से पहले इंडिया गठबंधन के नेताओं की एक बैठक राज्य सभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे के कमरे में हुई, जिसमें लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी पहुंचे। हालांकि इस बैठक में तृणमूल कांग्रेस के सांसद नदारद रहे। इसकी आशंका पिछले शुक्रवार को ही हो गयी थी, जब चार दिन तक अडानी प्रकरण को लेकर संसद संसद का कामकाज बाधित रहा। टीएमसी सूत्रों का कहना है कि कांग्रेस को पहले ही पार्टी ने अपने रुख से अवगत करा दिया था।

इस प्रकरण से कहा जा सकता है कि लोकसभा चुनाव में मोदी सरकार को सत्ता से बाहर करने के इरादे से बनाए गए इंडिया गठबंधन में बिखराव देखने मिल रहा है। संसद के शीतकालीन सत्र के लिए कई मुद्दों को लेकर विपक्षी गठबंधन में आपसी सहमति नहीं बन पा रही है। एक तरफ जहां कांग्रेस चाहती है कि गौतम अडानी और ईवीएम के मुद्दे को सदन में उठाया जाए तो वहीं कई दल चाहते हैं कि ऐसे मुद्दों को सदन में उछाला जाए, जिसका जनता से सीधा सरोकार हो। सूत्रों ने कहा कि जब केवल कॉरपोरेट को लाभ होता है और चुनावी प्रक्रिया में खामियां हैं और विकल्पों को नकार दिया जाता है, तो यह लोगों का मुद्दा कैसे नहीं हो सकता है। इस बैठक में इंडिया ब्लॉक के संस्थापक सदस्य तृणमूल कांग्रेस ने हिस्सा न लेना ही एक बड़ा मुद्दा बन गया है। तीसरी बार बैठक में भाग न लेने वाली पार्टी का कहना है कि यह स्पष्ट है कि हम लोगों के मुद्दों पर मोदी सरकार से भिड़ना चाहते हैं टीएमसी के मुताबिक, क्रोनी कैपिटलिज्म और ईवीएम जैसे मुद्दे लोगों को पसंद नहीं आते। पार्टी ने सवाल करते हुए कहा, रउन इलाकों को देखिए जहां राहुल गांधी ने प्रचार किया है। अगर उन्होंने जो कहा वह लोगों के लिए मायने रखता तो कांग्रेस क्यों हारी होती?र

वहीं, टीएमसी, समाजवादी पार्टी (एसपी) और आम आदमी पार्टी (आप) जैसे सहयोगी दल कांग्रेस के ईवीएम और क्रोनी कैपिटलिज्म के प्रति जुनून को लेकर उत्साहित नहीं है। जबकि कांग्रेस ने भारत जोड़ो की तर्ज पर ईवीएम जगाओ यात्रा की योजना बनाई है और इंडिया ब्लॉक पार्टियों को इसमें शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है, उनमें से अधिकांश ने बहुत कम रुचि दिखाई है। कुछ लोगों ने यह भी पूछा कि क्या यह यात्रा उन राज्यों से होकर गुजरेगी जहां कांग्रेस ने चुनाव जीता है। बता दें कि दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने बड़ा ऐलान किया है। अरविंद केजरीवाल ने बीते रविवार को राष्ट्रीय राजधानी में 2025 के विधानसभा चुनावों के लिए कांग्रेस के साथ किसी भी गठबंधन से इनकार किया है। टीएमसी का साफ कहना है कि उनकी पार्टी के सांसद जनता से जुड़े मुद्दों को लेकर मोदी सरकार से भिड़ना चाहते हैं जिनमें-महंगाई, बेरोजगारी, किसान, उर्वरक और मणिपुर हिंसा जैसे मुद्दे शामिल हैं। इसके साथ ही सपा चाहती है कि इन मुद्दों के साथ-साथ संभल हिंसा को भी जोड़ दिया जाए। सपा सांसद धर्मेंद्र यादव ने कहा भी कि हमारे लिए अडानी से बड़ा मुद्दा किसान हैं और संभल हिंसा है।

इंडिया गठबंधन ब्लॉक में विभाजन के पीछे असली राजनीति भी छिपी है। उदाहरण के लिए, दिल्ली में यह स्पष्ट है कि आप और कांग्रेस सहयोगी नहीं होंगे। बंगाल में टीएमसी और कांग्रेस कभी एक दूसरे से सहमत नहीं हो सकते। यूपी में अखिलेश यादव ने कहा है कि कांग्रेस खत्म हो चुकी है। दरअसल गठबंधन में शामिल दलों के अपने अलग-अलग मुद्दे हैं, लेकिन कांग्रेस सिर्फ अडानी प्रकरण पर प्रधानमंत्री को घेरने की कोशिश में लगी है। अन्य दलों को अब लग रहा है कि वे अपने मुद्दे को कांग्रेस के कारण सदन में नहीं उठा रहे हैं। सपा अपना फोकस यूपी पर करना चाहती है, लेकिन सदन नहीं चलने के कारण संभल सहित प्रश्न पत्र लीक प्रकरण को वह अब तक नहीं उठा पायी है। राजद भी बिहार से संबंधित कई मुद्दों को संसद में उठाना चाह रहा है। यही हाल डीएमके का भी बताया जा रहा है। सबसे ज्यादा समस्या उन सांसदों के सामने है, जो अब तक अपना मेडन स्पीच भी संसद में नहीं दे पाये है। पहली बार चुनकर आये कई सांसदों ने अपने-अपने दल के नेताओं से अपनी पीड़ा व्यक्त की है।

कांग्रेस के कई सांसद भी यह मानने लगे हैं कि संसद न चलने का ज्यादा नुकसान उन्हें ही हो रहा है। सरकार को कटघरे में खड़ा करने का समय उनके हाथ से निकल रहा है।क्योंकि सरकार से कोई सवाल नहीं पूछा जा रहा है और सरकार आंकड़ों में हेर-फेर कर सदन के बाहर देश को गुमराह कर रही है। जबकि संसद में सरकार की ओर से कोई आंकड़ा दिया जाता है, तो सरकार को उसके लिए उत्तरदायी ठहराया जाता है। सोमवार को जब लोकसभा अध्यक्ष की ओर से सर्वदलीय बैठक बुलायी गयी, तो संविधान पर चर्चा भाग न लेने का विकल्प विपक्ष के पास नहीं था। कांग्रेस लोगों के बीच यह संदेश नहीं देना चाहती कि संविधान की रट लगाने वाले पार्टी संविधान पर होने वाली चर्चा में भाग लेने से पीछे हट रही है। यही कारण रहा कि संविधान पर चर्चा को लेकर सभी दलों ने हामी भरी, लेकिन संसद के सुचारू संचालन में अभी कई बाधाएं है, जिसे दूर करने की जरूरत होगी।

कुछ कांग्रेस सांसद तो अब यहां तक कहने लगे है कि प्रियंका गांधी के लोकसभा में आने से रणनीति में कुछ बदलाव देखने को मिल सकता है। उनके मुताबिक प्रियंका ज्यादा प्रैक्टिकल हैं, वे वायनाड में भी जनता के ही मुद्दों पर फोकस कर रही थीं, ऐसे में यहां भी उनकी प्राथमिकता ऐसी ही देखने को मिल सकती है। अब समझने वाली बात यह है कि कांग्रेस के कई सांसदों में रोष है, लेकिन राहुल गांधी के खिलाफ जाने की हिम्मत किसी में नहीं। यह बात अब जगजाहिर हो चुकी है कि राहुल गांधी के लिए अडानी मुद्दा सबसे ज्यादा प्रिय है, वे इसी के सहारे चुनावों में उतरते हैं और सीधे पीएम मोदी को निशाने पर लेते हैं। संसद में भी वे सिर्फ इसी मुद्दे के दम पर केंद्र को पूरी तरह आइसोलेट करना चाहते हैं। लेकिन अब जब सदन कई दिनों से नहीं चल पा रहा है, कांग्रेस के ही सांसद मानने लगे हैं कि इस तरह से संसद को बाधित रखना ठीक नहीं। ऐसी स्थिति में सरकार की जवाबदेही तय करना और ज्यादा मुश्किल हो जाएगा। उधर महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की बुरी हार के बाद टीएमसी ने उसके नेतृत्व पर ही सवाल उठाने शुरू कर दिए है। तृणमूल कांग्रेस ने बंगाल के सभी 6 विधानसभा उपचुनावों में जीत हासिल की है वहीं महाराष्ट्र में कांग्रेस की हार को लेकर INDIA अलायंस के नेतृत्व परिवर्तन की मांग भी उठा दी है। पार्टी के सीनियर लीडर और सांसद कल्याण बनर्जी ने कहा है कि कांग्रेस को अहंकार अपना किनारे रखना चाहिए और ममता बनर्जी को क्ष्ठरुक्ष्न्न ब्लॉक का लीडर घोषित किया जाए। उन्होंने कहा कि गठबंधन को एक मजबूत और निर्णायक नेतृत्व की जरूरत है।

टीएमसी सांसद ने दावा किया कि ममता बनर्जी के पास मजबूत नेतृत्व है। साथ ही, उनके जमीनी स्तर से जुड़ाव ने उन्हें विपक्षी गठबंधन के लिए सबसे कारगर व्यक्ति बना दिया है। रक्तदान शिविर में बोलते हुए कल्याण बनर्जी ने कहा, 'कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों को हाल के चुनावों में मिली विफलता को स्वीकार करना होगा। अब व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं पर एकता को प्राथमिकता देने की जरूरत है। उन्हें अपना अहंकार छोड़ देना चाहिए और ममता बनर्जी को इंडिया गुट के नेता के रूप में स्वीकार करना होगा।' तृणमूल सांसद कल्याण बनर्जी ने मुख्यमंत्री ममता के भाजपा से लड़ने के ट्रैक रिकॉर्ड का जिक्र किया। उन्होंने ममता बनर्जी को सिद्ध नेता बताते हुए कहा, 'वह पूरे देश में एक लड़ाकू के रूप में पहचानी जाती हैं। उनका नेतृत्व और जनता से जुड़ने की क्षमता उन्हें आदर्श चेहरा बनाती है। इसलिए एकजुट और व्यावहारिक दृष्टिकोण के बिना विपक्ष के प्रयास लड़खड़ाते रहेंगे।'

विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थानों पर उठते सवाल

-प्रियंका सौरभ

भारतीय संस्थानों से एसटीईएम स्नातकों के एक बड़े प्रतिशत में आवश्यक कौशल का अभाव है, जो उद्योग और अनुसंधान प्रगति में बाधा डालता है। संस्थागत रैंकिंग को बढ़ावा देने के लिए अनुसंधान आउटपुट पर ध्यान केंद्रित करने से कई शिक्षण-केंद्रित संस्थानों ने अक्सर निम्न-गुणवत्ता वाले आउटलेट में प्रकाशन पत्र और पेटेंट को प्राथमिकता दी है, कई संस्थानों में संकाय पर अत्यधिक बोझ है, पेशेवर विकास के लिए बहुत कम समय या प्रोत्साहन है। संकाय भर्ती अक्सर स्थानीयकृत होती है, जिससे शैक्षणिक प्रदर्शन और दृष्टिकोण की विविधता सीमित हो जाती है। क्वांटम कंप्यूटिंग और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी पहलों के लिए कुशल पेशेवरों की आवश्यकता होती है, लेकिन सीमित योग्य कर्मियों और अपर्याप्त प्रशिक्षण बुनियादी ढांचे के कारण इन पहलों का उपयोग कम होने का खतरा है। वर्तमान संरचना संसाधनों, पाठ्यक्रम या संकाय के आदान-प्रदान की सुविधा नहीं देती है, जिससे शिक्षा और अनुसंधान के बीच विभाजन मजबूत होता है, विज्ञान, गणित और प्रौद्योगिकी में योगदान के अपने समृद्ध इतिहास के साथ, भारत अब एक ऐसे महत्त्वपूर्ण मोड़ पर है जहाँ देश में (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) शिक्षा के भविष्य को आकार देने में प्रौद्योगिकी एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। जैसे-जैसे दुनिया तेजी से डिजिटल होती जा रही है, शिक्षा में प्रौद्योगिकी का समावेश केवल एक चलन नहीं बल्कि एक आवश्यकता बन गया है।

प्रौद्योगिकी छात्रों और शिक्षकों के बीच सहयोग को सुगम बनाती है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और उपकरण परियोजनाओं पर वास्तविक समय में सहयोग को सक्षम करते हैं, टीमवर्क और संचार कौशल को प्रोत्साहित करते हैं। ये सहयोगात्मक अनुभव पेशेवर दुनिया में वैज्ञानिक और तकनीकी प्रगति की सहयोगात्मक प्रकृति को दशार्ते हैं। शिक्षा में प्रौद्योगिकी का एकीकरण कई लाभ लाता है, यह चुनौतियों को भी सामने लाता है जिन्हें व्यापक परिवर्तन के लिए सम्बोधित करने की आवश्यकता है। डिजिटल डिवाइड एक महत्त्वपूर्ण चिंता का विषय बना हुआ है, जिसमें प्रौद्योगिकी और इंटरनेट तक पहुँच में असमानताएँ हैं। इस अंतर को पाटना यह सुनिश्चित करने के लिए महत्त्वपूर्ण है कि सभी छात्रों को, उनकी सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना, प्रौद्योगिकी के उपयोग से लाभ उठाने के समान अवसर मिलें। शिक्षकों को भी अपने शिक्षण विधियों में प्रौद्योगिकी को प्रभावी ढंग से एकीकृत करने के लिए पर्याप्त प्रशिक्षण की आवश्यकता है। शिक्षकों के लिए निरंतर व्यावसायिक विकास के अवसर प्रदान करना सुनिश्चित करता है कि वे प्रौद्योगिकी के उपयोग को समझने के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित हैं। इसके अतिरिक्त, शिक्षा में प्रौद्योगिकी के नैतिक उपयोग, जिसमें डेटा गोपनीयता और सुरक्षा शामिल है, को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। छात्रों की व्यक्तिगत जानकारी की सुरक्षा के लिए सुरक्षा उपायों को लागू करना और शिक्षा प्रौद्योगिकी उपकरणों के विकास में नैतिक प्रथाओं को सुनिश्चित करना महत्त्वपूर्ण कदम हैं।

शिक्षण-केंद्रित संस्थानों के मूल्यांकन को अनुसंधान मेट्रिक्स से अलग करके, रैंकिंग अनुसंधान आउटपुट पर शिक्षण गुणवत्ता को प्रतिबिंबित कर सकती है, जिससे इन संस्थानों पर निम्न-गुणवत्ता वाले अनुसंधान को आगे बढ़ाने का दबाव कम हो सकता है। शिक्षण संस्थानों को मूलभूत कौशल को मजबूत करने के लिए, विशेष रूप से प्रारंभिक वर्षों में, अनुसंधान पर शिक्षाशास्त्र को प्राथमिकता देनी चाहिए। एक समर्पित रशिक्षण ट्रैकर शुरू किया जा सकता है, जिससे शिक्षाशास्त्र में रुचि रखने वाले संकाय सदस्यों को अकेले अनुसंधान आउटपुट के बजाय अपने शिक्षण कौशल के आधार पर आगे बढ़ने की अनुमति मिल सके। अनुसंधान संस्थान संयुक्त डिग्री कार्यक्रम बनाने के लिए शिक्षण संस्थानों के साथ साझेदारी कर सकते हैं, जिससे उच्च प्रदर्शन करने वाले छात्रों को अपना काम पूरा करने में मदद मिलेगी अनुसंधान-केंद्रित संस्थानों में अध्ययन। इस दृष्टिकोण का एक उदाहरण एनआईटी सूरत और आईआईटी बॉम्बे के बीच सहयोग है, जो छात्रों को एक प्रमुख संस्थान में उन्नत अध्ययन पूरा करने की अनुमति देता है। सरकारी फंडिंग को शिक्षण संस्थानों के भीतर शिक्षाशास्त्र में उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने की दिशा में निर्देशित किया जाना चाहिए। ये केंद्र शिक्षक प्रशिक्षण, पाठ्यक्रम विकास और एसटीईएम शिक्षा में सर्वोत्तम प्रथाओं के केंद्र के रूप में काम करेंगे, जिससे बड़े अतिरिक्त संसाधनों की आवश्यकता के बिना प्रणालीगत सुधार होंगे।

भारत के उच्च शिक्षा संस्थानों के सामने आने वाली चुनौतियाँ एक बहुआयामी दृष्टिकोण की मांग करती हैं जिसमें पाठ्यक्रम आधुनिकीकरण, अनुसंधान वित्त पोषण, संकाय विकास और विविधता पहल शामिल हैं। सरकार और उद्योग के सहयोग में वृद्धि से समर्थित नीतिगत सुधार, अधिक गतिशील, उद्योग-संरेखित और समावेशी एसटीईएम पारिस्थितिकी तंत्र बना सकते हैं। भारत में शिक्षा प्रणाली को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जिनमें शिक्षा तक असमान पहुँच, पुराना पाठ्यक्रम और अपर्याप्त धन शामिल है। हालाँकि, इन चुनौतियों के बावजूद, देश में अच्छी तरह से सम्मानित विश्वविद्यालयों और कॉलेजों की संख्या बढ़ रही है और सरकार ने शिक्षा प्रणाली के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करने में महत्त्वपूर्ण प्रगति की है। शिक्षा में निरंतर निवेश के साथ, भारत में सीखने और ज्ञान का एक अग्रणी केंद्र बनने और अपने सभी नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने की क्षमता है।

भारत मेंविज्ञान और प्रौद्योगिकी शिक्षा को पारंपरिक रूप से चुनौतियों का सामना करना पड़ा है, जिसमें गुणवत्तापूर्ण संसाधनों की कमी, पुराना पाठ्यक्रम और रटने और याद करने पर जोर के कारण व्यावहारिक शिक्षण अवसरों तक सीमित पहुंच शामिल है। भारत के पास चुनौतियों का अपना सेट है, उनमें से सबसे बड़ी भारतीय संस्थानों द्वारा कम फंडिंग है। भारत का अनुसंधान और विकास व्यय-जीडीपी अनुपात 0.7% के करीब है, जो विश्व औसत 1.8% से काफी कम है। जबकि अनुसंधान और विकास पर भारत का सकल व्यय (जीईआरडी) धीरे-धीरे बढ़ रहा है, जो देश की वैज्ञानिक और तकनीकी क्षमताओं को बढ़ावा देने के प्रयासों को दशार्ता है, इसमें सुधार की गुंजाइश है। युवा शोधकताओं के फलने-फूलने के लिए एक सहायक वातावरण बनाने के लिए नीति निमार्ताओं, अनुसंधान संस्थानों, फंडिंग एजेंसियों, वाणिज्यिक क्षेत्र और शैक्षणिक समुदाय के ठोस प्रयासों की आवश्यकता है।

भारतीय नौसैनिकों का विद्रोह और अंग्रेज सरकार का घुटने टेकना एक विलक्षण घटना

- सुरेश सिंह बैस शाश्वत

सेना का ज़िक्र आते ही जो तस्वीरें जेहन में कौंधती हैं वो टैंको में सवार, वायुयानों में उड़ते, पानी के जहाजों पर तैनात चुस्त दुरुस्त नौजवानों की होती है। रोमांच और वीरता की ये तस्वीरें सबसे ज्यादा आकर्षित करती हैं, युवा मन को। युवाओं को सेना न सिर्फ नौकरी और कैरियर प्रदान करती है,बल्कि रोमांच, देशभक्ति के जीवन से दो चार होने के मौके भी देती है। युवा ऊर्जा से उबलते नौजवानों के लिये सेना जिंदगी के रोमांचकारी अनुभव को सच बनाने और देश रक्षा में कुछ कर गुजरने का अवसर देता है। यूं तो भारतीय सेना के तीन अंग है। वायुसेना, थलसेना और जलसेना, तीनों ही सेनाओं का महत्व कमोबेश बराबर ही है। किसी भी अंग को कमतर? नहीं आंक सकते। बहादुरी के अद्भुत जज्बात और युद्ध के अत्याधुनिक विशाल संसाधनों के साथ विश्व में भारत की सेना अद्वितीय स्थान रखती है। विश्व विख्यात युद्ध पोत रविराटर, रविक्रांतर ने भारतीय नौसेना का इतिहास स्वर्णाक्षरों में अंकित होते अपने सामने ही देखा है।

भारतीय नौसेना का इतिहास स्वतंत्रता प्राप्ति से भी पुराना है। भारतीय नौसेना ने 1946 ई. में अपनी नौसैनिक शक्ति पर इतराने वाले ब्रिटेन को भी एक समय नाकों चने चबवा दिये थे। बात उस समय की है जब अंग्रेजों ने आजाद हिंद फौज के सैनिक एवं अधिकारियों को बंदी बना लिया था और अंग्रेजों ने फौज के सैनिकों पर देशद्रोह का आरोप लगाया, क्योंकि उन्होंने ब्रिटिश भारतीय सेना के प्रति ली गई स्वामी भक्ति की शपथ भंग की थी। इस मुकदमे की सुनवाई दिल्ली के लाल किले के सैनिक छावनी में स्थित न्यायालय में हुई। भारत की राजनीति में आजाद हिंद फौज के अफसरों पर मुकदमा एक सनसनी खेज घटना थी। इसे सुनकर भारतीय जनता अत्यंत उत्तेजित हो गई। लाल किले में स्थित सैनिक न्यायालय ने तीन अभियुक्तों ढील्लन, सहगल, शाहनवाज को मृत्युदण्ड की सजा दी। तब रॉयल इंडियन नेवी के नाविकों ने एक कड़वे घूंट की तरह इसे पी तो लिया, लेकिन वे उसे किसी भी तरह पचा नहीं पाये थे। अपने राष्ट्रीय सम्मान की रक्षा के लिये संकल्प ले चुके थे। प्रायः अधिकारियों के द्वारा होने वाले अपमान तथा अपने प्रति अन्याय, भेदभावपूर्ण व्यवहार के कारण उनमें प्रतिरोध और कुछ कर गुजरने की आग भीतर ही भीतर सुलग रही थी। इसी दौरान फरवरी 1946 के तीसरे सप्ताह में मुंबई में भारतीय नौसेना के विद्रोह के रूप में भड़क उठी।

वैसे भी अंग्रेज अधिकारियों से भारतीय नौसेना के सैनिकों को बहुत सारी शिकायतें थीं ,जिनकी अभिव्यक्ति इस विद्रोह के रूप में हुई। सबसे पहले बंबई डाक पर आल इंडियन नेवी के भारतीय सैनिकों ने अंग्रेजों के दुर्व्यवहार एवं भेदभाव पूर्ण रवैए के विरोध में अपना राशन लेने और परेड पर जाने से इंकार कर दिया। लगभग तीन हजार नौसैनिक विद्रोह पर उतर आये और अपने यूरोपियन अधिकारियों पर हमला करने लगे। नौ सैनिक गाड़ियों को जलाने लगे और 19 फरवरी को शहर में आकर उन्होंने भीड़भाड़ वाले फाउंटन इलाके को अपने अधिकार में ले लिया। नौसैनिकों का अनुसरण करते हुए ही मद्रास तथा कलकत्ता के नौसैनिक प्रतिष्ठानों में भी विद्रोह का झंडा बुलंद हो गया। विद्रोही नौसैनिकों ने जहाजों को अपने कब्जे में लेकर उन पर तो काबू पा लिया तथा आने वाली स्थिति का मुकाबला करने के लिये तैयार हो गये। फ्लैगशिप नर्मदा साहन बंबई डाक के बीस जहाजों को विद्रोही नौसैनिको ने अपने अधिकार में कर लिया।तथा इसके अतिरिक्त कंसल बैरक में तोपखाने तथा अधिकांश अस्त्रों को कब्जे मे कर लिया। बंबई और करांची की हडताल अगले दिन अन्य नौसैनिक केन्द्रों कलकत्ता तथा मद्रास में भी फैल गई। सरकार परेशान हो उठीं। प्रारंभ में अंग्रेज अधिकारी नौसैनिकों के विद्रोह से चिंतित नहीं हुए। बल्कि उन्हें यह विश्वास था कि वह बलपूर्वक इस विद्रोह को दबा देंगे। एडमिरल गॉडफ्रे ने विद्रोही नौसेना को संबोधित करते हुए कहा इस विद्रोह का जारी रखना सरासर बेवकूफी है। आप जानते हैं कि अंग्रेज सरकार के पास कितनी शक्ति है। और वह शक्ति का प्रयोग करने में जरा भी नहीं हिचकेगी। चाहे उसकी नौसेना बर्बाद ही क्यों ना हो जाए। 22 फरवरी तक विद्रोही नौ सैनिकों ने मुंबई बंदरगाह में स्थित ब्रिटिश एडमिरल के फ्लैगशिप के साथ ही लगभग सभी जहाजों को भी अपने अधिकार में ले लिया। अब तक मुंबई का यह विद्रोह लगभग पूरी तरह रॉयल इंडियन नेवी को अपनी चपेट में ले लिया था। अब यह मुंबई, कराची, कलकत्ता, मद्रास, कोचिंन, विशाखापट्टनम तथा अंडमान में सभी नौसैनिक प्रतिष्ठान में विद्रोह की घोषणा कर चुके थे। इसी बीच कांग्रेस के वामपंथी लोगों ने नौसैनिक विद्रोहियों के समर्थन में एक आम हड़ताल का आह्वान किया। जो सारे मुंबई में पूर्ण हड़ताल के रूप में फैल गया। और जगह-जगह दंगे भी शुरू हो गए। मद्रास और कलकत्ता में भी कुछ स्थानों पर दंगे हुए। नौसेना विद्रोहियों की सहानुभूति में आसफ अली ने केंद्रीय असेंबली में 23 फरवरी को बोलते हुए कहा-र अंग्रेज अधिकारी इन नौसैनिकों के लिए जो भी भाषा का प्रयोग करते हैं , मुझे उसको दोहराते हुए भी लज्जा आती है। यदि यही व्यवहार किन्हीं दूसरे व्यक्तियों के साथ किया जाए तो प्रारंभ में मुमकिन है कि वे नौसैनिकों की अपेक्षा कहीं ज्यादा हिंसात्मक रूप अपनाएंगे। नौसैनिकों की शिकायतों को कहीं और जगह निश्चित रूप से सहानुभूति पूर्वक सुना जाता। मैं मानता हूं कि सैनिकों को राजनीति से दूर रहना चाहिए। लेकिन दूसरी तरफ उनकी मूलभूत शिकायतों को नजर अंदाज नहीं किया जा सकता। कांग्रेस के सोशलिस्ट सदस्य मीनू मसानी ने भी अंग्रेज सरकार को चेतावनी देते हुए घोषणा की हम अंग्रेजों के भारत के ऊपर शासन करने के नैतिक अधिकार को स्वीकार नहीं करते। उनका कानून मानने को हम बाध्य नहीं हैं, क्योंकि हमने उनको कभी भी स्वीकार नहीं किया है। इसलिए जब कभी भी अपने सैनिक या नागरिक कानून को तोड़ा जाता है तो हम में से हर व्यक्ति की सहानुभूति विद्रोहियों के साथ हो जाती है। महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, सरदार पटेल मोहम्मद अली जिन्ना, मौलाना आजाद तथा दूसरे सभी राष्ट्रीय नेता स्थिति पर नजर रखे हुए थे। लेकिन उन्होंने व्यक्तिगत रूप से अपने को इस विद्रोह से दूर रखा था। क्योंकि वह ऐसा कोई भी कदम उठाना नहीं चाहते थे, जिससे स्थिति के बिगड़ने की संभावना बढ़ जाती। वह सभी सरकार के साथ भी संपर्क बनाए हुए थे, और बातचीत से कोई हल निकालने का प्रयास कर रहे थे। अंग्रेजी सरकार भी समझौता न कर-के भयानक युद्ध एवं परिणामों की धमकी पर धमकी दिए जा रही थी। और तो और उसके विध्वंसक युद्धपोत भी इसलिए मुंबई की ओर रवाना हो गए। रपर धन्य है भारत के वीर सपूतों वीर सैनिकों की जो उनके सामने झुके नहींर अंत तक डटे रहे ! अंततः सरकार को ही इन नौ सैनिकों के आगे हार माननी पड़ी।

घर-घर डिजिटल शिक्षा पहुंचाएगी इंडस टावर्स लिमिटेड की डिजिटल ट्रांसफॉरमेशन वैन

रांची। देश की जानी - मानी कंपनी इंडस टावर्स लिमिटेड ने डिजिटल शिक्षा प्रदान करने की दिशा में एक अभिनव प्रयोग किया है । इसके तहत झारखंड के सुदूरवर्ती ग्रामीण इलाकों में वंचित समुदाय के बीच घर-घर जाकर एक डिजिटल ट्रांसफॉरमेशन वैन के माध्यम से लोगों को डिजिटल शिक्षा प्रदान की जाएगी। यह कार्य एनआईआईटी फाउंडेशन के साथ भागीदारी में किया जा रहा है। इस संबंध में इंडस टावर्स लिमिटेड के सर्किल सीईओ रितेश बत्स , सर्किल एचआर हेड शाहनवाज अहमद तथा सर्कल ओ एंड एम हेड पंकज सिन्हा ने बताया कि झारखंड के सुदूरवर्ती ग्रामीण इलाकों में सामाजिक निगमित दायित्व (सीएसआर) कार्यक्रम के तहत डिजिटल ट्रांसफॉरमेशन वैन (डीटीवी) के माध्यम से डिजिटल शिक्षा के प्रसार की शुरूआत की गयी। झारखंड सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी और ई गवर्नेंस विभाग की सचिव विप्रा भाल ने आज इसका उद्घाटन केराली पब्लिक स्कूल (नेवरी विकास) रांची से किया। इस अवसर पर भाल ने कहा कि डिजिटल ट्रांसफॉरमेशन वैन के माध्यम से झारखंड के सुदूरवर्ती इलाकों के बच्चे - बच्चियों को कंप्यूटर शिक्षा और इसकी तकनीक के बारे में जानकारी मिल सकेगी। उन्होंने ऐसे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि वर्तमान युग कंप्यूटर तथा डिजिटल का है और इसके लिए अभी से ही बच्चे - बच्चियों को जानकारी सुलभ कराना उनके भविष्य के लिए बेहतर कदम है। इंडस टावर्स के अधिकारियों ने इस मौके पर बताया कि 20 सीटर इस डिजिटल वैन को विशेष तौर पर डिजाइन किया गया है जिसमें सौर ऊर्जा से चलने वाला कंप्यूटर, प्रिंटर और ई लर्निंग टूल भी लगाए गए हैं । यह डिजिटल वैन उच्च दक्षता वाले सौर पैनल से सुसज्जित है जो अपनी आवश्यकता के लिए प्रतिदिन 15 किलोवाट ऊर्जा उत्पन्न करता है। इसके अलावा सौर मॉड्यूल की विफलता की स्थिति में वैकल्पिक स्रोत के रूप में वाहन में बैटरी के साथ यूपीएस, 5.5 केवीए जनरेटर और डायरेक्ट एसी लाइन केबल भी लगाए गए हैं।

सुषमा अनिल मिश्रा बनी मुंबई महानगर अध्यक्ष

मीरा रोड । हिन्दू समाज के प्रति श्रद्धा एवं समाज के प्रति हिंदुत्व की भावना को देखते हुए समाज सेविका सुषमा अनिल मिश्रा को श्रीराम जनसेना अंतरराष्ट्रीय महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष कमलेश सिंह ठाकुर ने मुंबई महानगर का अध्यक्ष नियुक्त किया है। सुषमा मिश्रा मुंबई , ठाणे, मीरा भाईंदर की कई सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं में अभिन्न पदों पर कार्यरत है। पिछले विधान सभा चुनाव में उन्होंने बदलापुर जौनपुर विधान सभा क्षेत्र से विधायक का चुनाव भी लड़ा था। सामाजिक एवं धार्मिक कार्यों में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेती है। मुंबई महानगर अध्यक्ष बनाए जाने पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि मुझे राष्ट्रीय अध्यक्ष ने जो जवाबदारी दी है उसका बखूबी निर्वहन करूंगी।

होंडा कार्स इंडिया ने नवंबर 2024 में कुल 10,726 यूनिट की बिक्री दर्ज की

मुंबई। भारत में प्रीमियम कारों की अग्रणी निमार्ता कंपनी होंडा कार्स इंडिया लिमिटेड (ल्उक्छ) ने नवंबर 2024 में कुल 10,726 यूनिट की बिक्री दर्ज की। नवंबर 2024 के महीने में कंपनी की घरेलू बिक्री 5,005 यूनिट और निर्यात 5,721 यूनिट रहा। होंडा कार्स इंडिया लिमिटेड के विपणन और बिक्री के उपाध्यक्ष कुणाल बहल ने कहा, नवंबर में हमारी बिक्री का प्रदर्शन हमारी योजना के अनुरूप था। चूंकि हम अब से कुछ ही दिनों में ऑल न्यू थर्ड जनरेशन अमेज के लॉन्च के करीब पहुंच रहे हैं, इसलिए दिसंबर से नए मॉडल का उत्पादन तेज हो जाएगा। नए अमेज के लिए ग्राहकों में काफी उत्साह है, जो ब्रांड के लिए एक मजबूत बाजार कनेक्शन को दशार्ता है। दूसरी ओर, निर्यात बाजारों में एलिवेट की मजबूत मांग के कारण हमारा निर्यात बढ़ रहा है। कंपनी ने नवंबर 2023 में घरेलू बिक्री में 8,730 इकाइयां दर्ज कीं और 3,161 इकाइयों का निर्यात किया।

होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने नवंबर 2024 में 4,72,749 यूनिट्स बेचीं

मुंबई/गुरुग्राम। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने आज नवंबर 2024 के महीने के लिए अपनी कुल बिक्री की घोषणा की। इस महीने के दौरान, कंपनी ने 4,72,749 यूनिट डिस्पैच की। इसमें 4,32,888 यूनिट की घरेलू बिक्री और 39,861 यूनिट निर्यात शामिल हैं। विशेष ध्यान देने वाली बात यह है कि ल्टरक की ळऊ बिक्री (अप्रैल-नवंबर 2024) 42,28,837 यूनिट है। इसमें 38,67,427 यूनिट घरेलू बिक्री और 3,61,410 यूनिट निर्यात शामिल हैं। उत्पादः होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने आज इलेक्ट्रिक वाहन सेगमेंट में ACTIVA e: और दउ1 की शुरूआत के साथ मोबिलिटी के अगले युग की शुरूआत की। दउ1 के साथ-साथ एक नए इलेक्ट्रिफाइड अवतार में प्रतिष्ठित एक्टिवा ब्रांड का अनावरण भारत में स्थायी मोबिलिटी के लिए ब्रांड की प्रतिबद्धता में एक महत्वपूर्ण क्षण है। इसके लिए बुकिंग 1 जनवरी, 2025 से शुरू होगी और डिलीवरी फरवरी 2025 से शुरू होगी। सड़क सुरक्षाः भारत में सड़क सुरक्षा जागरूकता का विस्तार करते हुए, ल्टरकने भारत भर के 09 शहरों - हैदराबाद (तेलंगाना), गुवाहाटी (असम), बीजापुर (कर्नाटक), करीमनगर (तेलंगाना), बरेली (उत्तर प्रदेश), कोल्लम (कर्नाटक), अलीबाग (महाराष्ट्र), जालना (महाराष्ट्र) और द्वारका (गुजरात) में जागरूकता अभियान चलाए।

बेरोजगारी दर में पिछले साल के मुकाबले गिरावटः गिगिन टेक्नोलॉजीज

मुंबई। गिगिन टेक्नोलॉजीज के सीईओ, संस्थापक, श्री सुरिंदर भगत ने बताया कि वर्तमान में बेरोजगारी दर में एक कमी आई है। बेरोजगारी दर में कमी के पीछे कई कारण हो सकते हैं। सबसे पहला महामारी के बाद आर्थिक सुधार ने आईटी, मैन्युफैक्चरिंग और रिटेल जैसे क्षेत्रों में ज्यादा नौकरियां पैदा की हैं। इसके अलावा, सरकार की बुनियादी ढांचा परियोजनाएं और उद्योगीकरण को बढ़ावा देने के प्रयास से भी रोजगार के अवसर बढ़े हैं। कौशल विकास, उद्यमिता और एमएसएमई के लिए वित्तीय सहायता जैसे कार्यक्रमों ने भी रोजगार के अवसरों में वृद्धि की है। उन्होंने आगे बताया कि इस लाभ को बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयास की आवश्यकता होगी। बेरोजगारी दर और कम हो सकती है यदि उद्योगों का विकास जारी रहा और सरकार आर्थिक सुधारों, कौशल विकास और बुनियादियों में निवेश पर ध्यान केन्द्रित करती रहे। हालांकि, वैश्विक आर्थिक स्थिति, महँगाई और तकनीकी बदलाव जैसे कारक इस एक अस्थायी सुधार बना सकते हैं, जब तक हम ग्रामीण क्षेत्रों और अनुपचारिक श्रम बल की समस्याओं को सही तारीख से पता नहीं लगा पाते। बेरोजगारी दर को और कम करने के लिए शिक्षा और कौशल विकास, ग्रामीण रोजगार, एमएसएमई का समर्थन, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्रों पर ध्यान देना होगा।

युवाओं को रोजगार के अवसरों का सामना करना पड़ रहा है इस बारे में श्री भगत ने बताया कि युवा, नए ग्रेजुएट्स, को अभी भी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, जैसे उनके पास मौजुद कौशल और उद्योगों की मांगो के बीच अंतर। जबकी नौकरियाँ उपलबध हो सकती हैं, कई युवा अवसर तकनीकी कौशल या अनुभव की कमी के कारण उन नौकरियों को हासिल नहीं कर पाता। ऑटोमेशन और डिजिटलाइजेशन के बढ़ते प्रभाव का मतलब है कि युवाओं को अपने कौशलों को अपडेट करना होगा। इसके अलावा, हाई-डिमांड शेत्रों में नए प्रतिभाओं के लिए प्रवेश करना मुश्किल हो रहा है जो एक और चुनौती है। ब्लू-कॉलर वर्कर्स की वेतन न्यूनतम होती है। फिलहाल ब्लू-कॉलर श्रमिकों के वेतानों और कार्य स्थितियों में सुधार के लिए विविध प्रयास किये जा रहे हैं। सरकार ने श्रम सुधारों का आगमन किया है और अनुपचारिक श्रम बल को औपचारिक बनाने के प्रयासों को बढ़ावा दिया है। गिगिन जैसे एचआरटेक प्लेटफॉर्म भी इस दिशा में महत्व पूर्ण भूमिका निभा रहे हैं, जो ब्लू-कॉलर, ग्रे-कॉलर और व्हाइट-कॉलर श्रमिकों को विभिन्न उद्योगों में रोजगार के अवसरों से जोड़ते हैं।

पालघर जिला परिषद द्वारा 4 दिसंबर को चलाया जायेगा राष्ट्रीय कृमि मुक्ति अभियान

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिला परिषद पालघर की ओर से पूरे पालघर जिले में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति अभियान 4 दिसम्बर 2024 को चलाया जायेगा तथा इसका द्वितीय चरण मॉपअप राउंड 10 दिसम्बर को क्रियान्वित किया जायेगा।

इस बाबत जिला परिषद पालघर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी की अध्यक्षता में सोमवार 02 दिसंबर 2024 को ?राष्ट्रीय कृमि मुक्ति अभियान? के तहत जिला समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई । इस मौके पर मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवींद्र शिंदे तथा जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संतोष चौधरी के अलावा सभी संबंधित विभागों के अधिकारी एवं सभी तहसीलों स्वास्थ्य अधिकारी उपस्थित थे। जिला परिषद द्वारा जारी आंकड़े के अनुसार जिले में 1 से 19 वर्ष आयु वर्ग के 6 लाख 33 हजार 328 बच्चे हैं और इस आयु वर्ग के बच्चों को परजीवियों से होने वाली बीमारियों का खतरा है। 1 से 19 वर्ष की आयु के बीच के कम से कम 28 प्रतिशत बच्चों में आंतों के कृमि रोग मिट्टी से फैलने वाले परजीवी के कारण होते हैं। इसका मुख्य कारण व्यक्तिगत एवं वातावरणीय स्वच्छता का अभाव है। परिणामस्वरूप कुपोषण, पेचिश, पेट दर्द, भूख न लगना, दस्त, आंतों में सूजन जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं। इससे बच्चों का शारीरिक और बौद्धिक विकास अवरुद्ध होने की समस्या उत्पन्न होती है। इसके लिए जिले में चार दिसंबर को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति अभियान चलाया जायेगा। राष्ट्रीय कृमि मुक्ति अभियान का उद्देश्य 1 से 19 वर्ष की आयु के सभी बच्चों को स्कूलों, आंगनवाड़ी केंद्रों पर कृमि नाशक गोलियाँ प्रदान करके उनके स्वास्थ्य को बनाए रखना है। इसका उद्देश्य पोषण संबंधी स्थिति, शिक्षा और जीवन की गुणवत्ता में सुधार करना है। यह अभियान जिले में 4 दिसंबर को चलाया जायेगा तथा कृमि नाशक गोली खिलायी जायेगी तथा जिन लाभार्थियों को कृमि नाशक गोली का लाभ नहीं मिल पायेगा, उन्हें 10 दिसंबर को कृमि नाशक गोली खिलायी जायेगी। आंकड़ों के अनुसार जिले में 6 लाख 33 हजार 328 लाभार्थी हैं। इसमें 1 से 6 वर्ष की आयु के 1,69,979 बच्चे, 6 से 10 वर्ष की आयु के 1,72,012 बच्चे तथा 11 से 19 वर्ष की आयु के 2,91,337 बच्चे शामिल हैं।1 से 19 वर्ष की आयु के बीच का कोई भी बच्चा इस कृमिनाशक दवा से वंचित न रहे। इसके लिए जिला परिषद पालघर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवींद्र शिंदे ने सभी नागरिकों और गैर सरकारी संगठनों से आगे आकर इस अभियान सफल बनाने की अपील की है।

किसान से सीधे डोंबिवलीकर जनता तक रवींद्र चव्हाण की प्रशंसनीय पहल

मुंबई। डोंबिवली शहर विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक और शैक्षणिक गतिविधियों के लिए विश्व प्रसिद्ध है। शहर की यह पहचान बनाने में विधायक रवींद्र चव्हाण का बड़ा योगदान रहा है। रवींद्र चव्हाण हमेशा प्रत्येक घटक की जरूरतों को पहचानने और उस घटक के लिए विभिन्न गतिविधियों को लागू करने पर जोर देते हैं। रवीन्द्र चव्हाण की संकल्पना से शुरू हुई एक और गतिविधि है 'आठवडी बाजार' (साप्ताहिक बाजार)! कृषि विभाग आत्मा और कृषि पणन द्वारा प्रायोजित विंग्रो फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड, डोंबिवलीकर प्रतिष्ठान और कल्याण-डोंबिवली नगर निगम के सहयोग से डोंबिवली में विभिन्न स्थानों पर साप्ताहिक बाजार शुरू किए गए हैं। हर गुरुवार रीजेंसी एस्टेट, बिल्डिंग नं. 22 के पास, हर शुक्रवार को म्हसोबा चौक, 90 फीट रोड, ठाकुर्ली में, हर शनिवार को रीजेंसी अनंतम कॉम्प्लेक्स के मुख्य द्वार के पास और हर रविवार को नेहरू मैदान, डोंबिवली पूर्व में शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक आयोजित किया जा रहा है। अक्सर शहरी बाजारों में मिलने वाली सब्जियों में रासायनिक खाद और कीटनाशकों का छिड़काव किया जाता है। बीमारी फैलने का खतरा बना रहता है। हालाँकि, इस साप्ताहिक बाजार के माध्यम से, डोंबिवली के डोंबिवली के लोग सीधे खेतों में उगाई गई प्राकृतिक और विषमुक्त (रेसिड्यू फ्री) ताजा सब्जियां और फल खरीद रहे हैं। इसमें सभी प्रकार, विशेष रूप से जैविक और विषमुक्त सब्जियां, फल, अनाज, दालें आदि शामिल हैं।

नवीन गवली के माध्यम से विकास कामों का भूमिपूजन

सांसद श्रीकांत शिंदे की निधि वार्ड का विकास

-चेतन निर्मल

कल्याण। शिवसेना शिंदे गुट के भूतप्-ूर्व नगरसेवक नवीन गवली के प्रयासों से मनपा वार्ड क्रमांक 43 गांवदेवी मेट्रो मॉल परिसर में नाली और लादी बनाने के काम का भूमिपूजन स्थानिक नागरिकों की उपस्थिति में किया गया। बतादें कि बीते अनेक वर्षों से उक्त परिसर में विकास काम अधर में लटका हुआ था। महापालिका में नगरसेवकों का कार्यकाल समाप्त होने के चलते एवं विकास निधि के अभाव के कारण यह काम रुके हुए थे। नागरिकों की समस्या के समाधान के लिए पूर्व नगरसेवक नवीन गवली ने प्रयास कर सांसद डॉ.श्रीकांत शिंदे के माध्यम से विकास निधि मंजूर करवाई। जिसके बाद मंगलवार को नेतिवली में विकास काम का भूमिपूजन संपन्न हुआ। नवीन गवली की कोशिश तथा सांसद श्रीकांत शिंदे के माध्यम से रुके हुए विकासकार्यों

को गति मिलने पर स्थानिक नागरिकों ने नवीन गवली का आभार प्रकट किया। साथ ही भविष्य में भी नवीन गवली इसी प्रकार से जनसेवा करते रहें यह आशा व्यक्त की। इस मौके पर लक्ष्मी मढ़वी, वैशाली वैखरे, पूजा मेमाने, शाखा प्रमुख राजू उजगरे, उमेश शेट्टी, रेखा उजगरे, उप शाखा प्रमुख अन्नू डोंगरे, राजू म्हात्रे, संदीप माने, संदीप चौगुले, कुमार भोईर, अनंता कुलये, नीलेश कुंभार, हेमा भोसले, अरुण जाधव, सोन्या म्हात्रे सहित नेतिवली, चक्की नाका परिसर के नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

वोरा एक्सपोर्ट्स और मेसर्स. धनलक्ष्मी फैब्रिक्स के बीच बढ़ी तकरार

करार का उलंघन कर बिना पूर्व सूचना के कंपनी बंद करके लाखों का नुकसान करने का आरोप

कल्याण। संवाददाता- कपड़ा उद्योग में प्रमुख स्थान रखने वाली मेर्सस धनलक्ष्मी फैब्रिक्स लिमिटेड (डीएफएल) और वोरा एक्सपोर्ट्स के बीच तकरार बढ़ गई हैं, दोनों के दोनों के बीच एक बड़ा व्यापारिक विवाद सामने आया है, यह विवाद बकाया राशि और कच्चे माल की आपूर्ति में बाधा को लेकर है, वही इसमें मध्यस्थता करनेवाली हिंदुस्तान चेंबर्स ऑफ कामर्स के द्वारा बिना जांच पड़ताल कर पे आर्डर देने पर सवालिया निशान उठाये गए हैं। मिली जानकारी के अनुसार, मेर्सस धनलक्ष्मी फैब्रिक्स लिमिटेड (डीएफएल) एक टेक्सटाइल प्रोसेसिंग कंपनी है जिसे वोरा एक्सपोर्ट कच्चा माल लाकर प्रोसेसिंग के लिए देती है, इसी बीच डीएफएल ने करार एवं शर्तो का उलंघन के 31 मार्च 2023 को अपनी फैक्ट्री बिना पूर्व सूचना के बंद कर दी, जिससे वोरा एक्सपोर्ट्स को भारी नुकसान उठाना पड़ा, इतना ही नही डीएफएल कंपनी कच्चा माल वापस देने को तैयार नही है और अब डीएफएल 2015 से बकाया दिखाते हुए अधिक राशि की मांग कर रहा है, वोरा एक्सपोर्ट्स के पास भुगतान रिकॉर्ड और सभी दस्तावेजों मौजूद है उसने हिंदुस्तान चेंबर ऑफ कॉमर्स की मध्यस्थता में सारा हिसाब क्लीयर किया था और बकाया राशि का पे आर्डर बनाकर हिंदुस्तान चेंबर ऑफ कॉमर्स को दिया था और यह शर्त रखी गयी थी कि यह पे ऑर्डर तभी डीएफएल को सौंपा जाएगा जब सारा कच्चा माल लोड होकर डिलीवरी के लिए निकल जायेगा, लेकिन ऐसा कुछ नही हुआ उससे पूर्व ही हिंदुस्तान चेंबर ऑफ कॉमर्स ने पे आर्डर डीएफएल को दे दिया। वोरा एक्सपोर्ट्स के मालिक साठी वोरा ने इस मामले को गंभीर बताते हुए न्याय की अपील की है, उनका कहना है कि छह माह बीतने के बाद भी डीएफएल को दिए गए माल का प्रसंस्करण कर वापस नही दिया गया, हैरत तो इस बात की है कि हिंदुस्तान चेंबर्स ऑफ कॉमर्स जैसी प्रतिष्ठित कंपनी ने बिना किसी जांच के पे ऑर्डर कैसे दिया इसके पीछे उनकी मंशा क्या थी यह तो उन्हें समझ नही आ रहा है।

ऊर्जा फाउंडेशन और राजमुद्रा अकादमी का शैक्षणिक पहल

मुंबई। ऊर्जा फाउंडेशन के सौजन्य से राजमुद्रा अकादमी के निदेशक मनोहर भोले और फ्यूचर अकादमी के निदेशक डॉ. विजय जंगम (स्वामी) की ओर से आगामी रविवार, 8 दिसंबर 2024 को प्रातः 10 बजे जरूरतमंद छात्रों के लिए प्रतियोगी परीक्षाएँ और उच्च शिक्षा मार्गदर्शन कार्यशाला आयोजित की गई हैं। यह कार्यशाला एनईबी वर्कशॉप फॉर द ब्लाइंड, सस्मिरा इंस्टीट्यूट, सस्मिरा मार्ग, वर्ली, मुंबई में आयोजित की गई है। सहया शिवालय जंगम समाज और मुंबई विभाग के सभी जरूरतमंद छात्र एमपीएससी/यूपीएससी परीक्षा में बैठने वाले छात्रों को मुफ्त मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। इसमें निर्देश दिए गए हैं कि छात्रों को 10वीं कक्षा और उससे ऊपर की पढ़ाई करनी चाहिए और इस प्रतियोगी परीक्षा के लिए सभी समुदायों के जरूरतमंद स्नातक छात्रों का स्वागत किया जाएगा, आयोजक डॉ. विजय जंगम स्वामी ने कहा कि इस कार्यशाला के लिए फ्यूचर एकेडमी और राजमुद्रा एकेडमी ने संयुक्त रूप से आयोजित किया है। और इस मार्गदर्शन शिविर में छात्रों को डॉ. विजय जंगम स्वामी, मनोहर भोले सर और आईएएस, आईपीएस अधिकारियों का मार्गदर्शन मिलेगा। ऊर्जा फाउंडेशन की समन्वयक रोहिणी जंगम ने इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए हेल्पलाइन नंबर 8369876036 पर संपर्क करने की अपील की है।

पालघर जिले के चार विधानसभा सीटों की दोबारा मतगणना की मांग

हारे हुए उम्मीदवारों ने भरा फार्म एवं फीस

पालघर(उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 के परिणाम घोषित होने के पश्चात अब चुनाव में पराजित उम्मीदवारों ने अपनी हताशा को दूर करने के लिए ईवीएम पर दोष मढ़ना शुरू कर दिया है। मतदाताओं के रुझान का गलत आकलन करने वाले तमाम हारे हुए उम्मीदवारों के मन में ईवीएम के प्रति शंका होना लाजमी है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार ईवीएम के प्रति अपनी आशंका दूर करने हेतु पालघर जिले के 129 विक्रमगढ़(अ.ज.) विधानसभा से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) के प्रत्याशी सुनील भुसारा ने 10 बूथों की दुबारा मतगणना कराने के लिए 4,72,000 रुपए शासकीय शुल्क जमा कर दिया है। वहीं 131 बोईसर (अ.ज.) विधानसभा से बहुजन विकास आघाड़ी के प्रत्याशी राजेश पाटील ने 5 बूथों की दुबारा मतगणना कराने हेतु 2,36,000 रुपए शासकीय शुल्क जमा कर दिया है । इसी प्रकार 132 नालासोपारा विधानसभा से बहुजन विकास आघाड़ी के प्रत्याशी क्षितिज ठाकुर ने 10 बूथों की दुबारा मतगणना कराने हेतु 4,76,000 रुपए शासकीय शुल्क जमा किया है तथा 133 वसई विधानसभा से बहुजन विकास आघाड़ी के प्रत्याशी हितेंद्र ठाकुर ने 18 बूथों की दुबारा मतगणना कराने हेतु 8,49,600 रुपए शासकीय शुल्क जमा कर दिया है। इन बूथों की होने वाले दुबारा मतगणना में यदि पहले हुई मतगणना से जरा सा फर्क मिला तो उक्त विधान सभाओं की फिर से मतगणना अथवा चुनाव कराये जाने की संभावनाएं प्रबल हो जायेंगी।

अनंत नेशनल यूनिवर्सिटी के 6ठे दीक्षांत समारोह में सुधा मूर्ति ने छात्रों को दी प्रेरणा

मुंबई। अनंत नेशनल यूनिवर्सिटी ने अपने 6ठे दीक्षांत समारोह का आयोजन किया, जिसमें 293 छात्रों को डिग्रियां प्रदान की गईं। ये छात्र बैचलर ऑफ डिजाइन, बैचलर ऑफ आर्किटेक्चर, मास्टर ऑफ डिजाइन और अनंत फेलोशिप इन सस्टेनेबिलिटी एंड बिल्ट एनवायरनमेंट से जुड़े थे। समारोह में पद्म भूषण और पद्मश्री से सम्मानित, इंफोसिस फाउंडेशन की संस्थापक, लेखिका और परोपकारविद श्रीमती सुधा मूर्ति मुख्य अतिथि थीं। उनके साथ अनंत नेशनल यूनिवर्सिटी के प्रेसिडेंट श्री अजय पिरामल, प्रोवोस्ट डॉ. अनुनया चौबे, फाउंडिंग प्रोवोस्ट डॉ. प्रमथ राज सिन्हा और बोर्ड के अन्य सदस्य भी उपस्थित थे। पिरामल ग्रुप की वाइस चेयरपर्सन, डॉ. स्वाति पिरामल ने भी इस खास अवसर की शोभा बढ़ाई।

श्रीमती मूर्ति ने अपने संबोधन में डिजाइन को समस्याओं को हल करने का एक प्रभावी माध्यम बताया, जो अनंत नेशनल यूनिवर्सिटी के दृष्टिकोण से भी मेल खाता है। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक कल्याण के लिए अपने अटूट समर्पण के बारे में बात की। उनके काम ने समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए नए मानक स्थापित किए हैं। हाल ही में राज?य सभा के लिए नामित श्रीमती मूर्ति का प्रभावशाली योगदान सामाजिक नवाचार और बेहतर समाज निर्माण की दिशा में जारी है। दीक्षांत समारोह के दौरान अनंत के ग्रेजुएट्स को संबोधित करते हुए, श्रीमती सुधा मूर्ति ने कक्षा 2024 के छात्रों को प्रेरित किया। उन्होंने कहा, आप सभी रचनात्मक लोग हैं, सृजनकर्ता की तरह, जैसे भगवान ब्रह्मा। अपनी रचनाओं के माध्यम से आप अपने विचार और भावनाएं व्यक्त करते हैं।

दिवाली स्नेह मिलन समारोहः विप्र फाऊंडेशन ने प्रतिष्ठित एवं कर्मयोगी ब्राह्मणों को किया सम्मानित

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। ब्राह्मण समाज की हितैषी सुप्रसिद्ध संगठन विप्र फाऊंडेशन,बोईसर' द्वारा रविवार 1 दिसंबर 2024 को आयोजित 'दिवाली मिलन समारोह' के उपलक्ष्य में भगीरथ प्रयास के लिए कर्मयोगी ब्राह्मणों का उनके द्वारा की जा रही सेवा सुश्रुषा और कर्मठता को आदर करते ' स्मृति स्वरूप 'प्रशस्तिपत्र' भेंटकर भुरि-भुरि प्रशंसा की गयी। समारोह में वरिष्ठ ब्राह्मण हितचिंतक शोभनाथ त्रिपाठी,स्वामीनाथ पाण्डेय को 'ब्राह्मण स्तंभ',सबल उदमी वृजेश कुमार पाण्डेय को 'सक्षम-संपन्न समाज स्तंभ', व्यापार जगत में. लब्धप्रतिष्ठत विरेंद्र तिवारी को 'व्यापार कुशल ब्राह्मण गौरव' एवं उद्योगपति व ब्राह्मण शिरोमणि युवा रविकांत पाण्डेय को 'समाज रत्न',प्राख्यात कवि शिवकुमार अमित दुबे को 'साहित्य रत्न' के अलावे मुख्याध्यापक हरिओम शरण मिश्रा तथा मीडिया जगत से जुड़े ओमप्रकाश द्विवेदी को उल्लेखनीय योगदान के बदौलत 'समाज हितैषी' अलंकरण से अलंकृत किया गया। इस अवसर पर 'विप्र फाउंडेशन बोईसर' प्रमुख ब्रह्मदेवजी चौबे संग अखिलेश पाण्डेय, कुलदीप मिश्रा, राम भुअन त्रिपाठी नागेंद्र पाण्डेय, अरविंद शर्मा, बी.पी.तिवारी,विकास तिवारी, दिनेश दुबे ट्रांसपोर्टर समेत अनेक विप्र बंधुओं के हाथों सम्मान प्रदान करने के तदुपरांत मित्रवत जलपान के साथ स्नेह मिलन समारोह संपन्न हुआ।

बोईसर में आयोजित दो दिवसीय अंतर विद्यालयीय खेल प्रतियोगिता संपन्न

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले के बोईसर शहर परिक्षेत्र के पूर्व में स्थित श्री रघुबीर हाई स्कूल - जूनियर कॉलेज ऑफ साइंस एंड कॉमर्स विद्यालय परिसर में आयोजित दो दिवसीय अंतर विद्यालयीय खेल प्रतियोगिता उत्साह पूर्ण माहौल में विविध खेल प्रतियोगिता के साथ विद्यार्थियों की बड़ी संख्या में सहभागिता के साथ संपन्न हो गई। बतादें कि बीते शनिवार 30 नवंबर को शुरू होकर 1 दिसंबर रविवार को संपन्न हुई इस दो दिवसीय अंतर विद्यालयीय खेल प्रतियोगिता आयोजन में बोईसर पूर्व और पश्चिम क्षेत्र में संचालित हिंदी-सेमी अंग्रेजी तथा अंग्रेजी माध्यम के विद्यालयों में अध्ययनरत 200 से अधिक विद्यार्थियों ने इनडोर/आउटडोर विभिन्न खेल प्रतियोगिता में भाग लेते हुए शतरंज, कैरमबोर्ड ,टर्फ क्रिकेट,वॉली बॉल, कबड्डी और क्रिकेट खेल को खेल भावना के साथ खेला। खेल प्रतियोगिता का उद्घाटन करते हुए रघुवीर विद्यालय के मुख्याध्यापक वीरेन्द्र यादव ने कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए यह आयोजन किया गया है। हमारा प्रयास है कि विद्यार्थियों की खेल प्रतिभाओं को भी विकसित किया जा सके। आशादीप विद्या मंदिर हाईस्कूल के विद्यार्थियों ने टर्फ क्रिकेट के बेहद रोमांचक मुकाबले में रघुवीर विद्यालय को पराजित कर जीत हासिल किया जबकि व्हाली बाल प्रतियोगिता में रघुवीर विद्यालय ने नेशनल स्कूल को पराजित कर जीत दर्ज की। आशादीप विद्या मंदिर हाईस्कूल के प्रधानाचार्य हरिओम शरण मिश्र ने उक्त आशय की जानकारी देते हुए बताया कि खेल प्रतियोगिता में विभिन्न स्कूलों के खेल शिक्षक -प्रतिनिधि व अभिभावक उपस्थित रहे।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

भाजपा कार्यकर्ता अरविंद परमार और मोईज शेख भाजपा जिला अध्यक्ष भरत राजपूत को जन्मदिन की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए। छायांकन :- उत्तरशक्ति

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, विश्व समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

बांग्लादेश में हिन्दुओं के साथ हो रही हिंसा के विरोध में निकाली गयी आक्रोश प्रदर्शन रैली

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। हिन्दू रक्षा समिति के तत्वावधान में संयोजक विमल सिंह तथा सहसंयोजक डा. संदीप पाण्डेय के नेतृत्व में बांग्लादेश में हिन्दुओं के साथ हो रही हिंसा के विरोध में एक विशाल जनसमुदाय के साथ आक्रोश प्रदर्शन रैली आयोजित की गयी। शान्तिपूर्ण ढंग से आयोजित यह रैली विसर्जन घाट से प्रारम्भ की गयी जो अटाला, सुहट्टी चौराहा, कोतवाली, चहारसू, ओलन्दगंज होते हुए विसर्जन घाट पर पुनः समाप्त की गयी। इस पदयात्रा के प्रारम्भ में विसर्जन घाट पर सभा आयोजित की गयी जिसमें विश्व हिन्दू परिषद के अध्यक्ष विमल सिंह, भारत विकास परिषद शौर्य के अध्यक्ष डा.संदीप पाण्डेय,अमित वत्स व नीतू सिंह ने अपने विचार रखे। इस पदयात्रा आक्रोश प्रदर्शन में जनसमुदाय ने लोगों को उत्साहित करने के उद्देश्य से वन्दे मातरम, भारत माता की जय और विभिन्न प्रकार के नारे लगाये। कार्यक्रम के अन्त में बांग्लादेश के हिन्दू

समुदाय की सुरक्षा और सहायता के लिये आवश्यक कदम उठाए जाएं। इस निमित्त हिन्दू रक्षा समिति के द्वारा महामहिम राष्ट्रपति महोदया को सम्बोधित ज्ञापन जिलाधिकारी की अनुपस्थिति में नगर मजिस्ट्रेट इन्द्रनन्दन सिंह को दिया गया। पुलिस अधीक्षक नगर अरविन्द कुमार वर्मा, नगर कोतवाल मिथिलेश मिश्र उपस्थित रहे।

इस कार्यक्रम में क्षेत्र बौद्धिक प्रमुख मिथिलेश, प्रान्त प्रचारक प्रमुख रामचन्द्र, विभाग प्रचारक अजीत, जिला प्रचारक रजत,जिलाध्यक्ष भाजपा पुष्पराज सिंह, पूर्व विधायक सुरेन्द्र सिंह, रामसूरत मौर्य, डा.उदयराज सिंह, सूर्य प्रकाश सिंह मुन्ना, सूर्याश सिंह, अंजु सिंह, जान्हवी श्रीवास्तव, ब्रहोश शुक्ल, नगर प्रचारक मण्डलेश्वर जी, विवेक सिंह, प्रदीप सिंह, मनीष सेठ, डा.अमरनाथ पाण्डेय, राम शर्मा, श्याम मोहन अग्रवाल, पंकज जायसवाल, नीरज श्रीवास्तव, अतुल जायसवाल, रमेश श्रीवास्तव, सुरेश सिंह, अमित निगम, नारायण चौरसिया आदि उपस्थित रहे।

जौनपुर पुलिस ने गैस सिलेण्डर चोरी करने वाले 2 अन्तर्जनपदीय शातिर चोरों को किया गिरफ्तार

रियाजुल हक क्राइम रिपोर्टर

मीरगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थानाध्यक्ष मीरगंज रमेश कुमार मय हमराह उ0नि0 सुनील कुमार यादव,उ0नि0 मुन्नीलाल कन्नौजिया व उ0नि0 शमीम खाँ व मय फोर्स थाना मीरगंज के द्वारा मुखबिर खास की सूचना पर मोलनापुर निर्माणधीन नहर पुलिया के पास से दो शातिर अन्तर्जनपदीय चोर 1-धर्मवीर गौतम उर्फ जानू पुत्र कुल्लू राम उम्र करीब 26 वर्ष निवासीग्राम हरिपुर सरायदासू सैदाबाद पुलिस चौकी के पास थाना हँडिया जनपद प्रयागराज हालपता करौहा थाना उतराँव प्रयागराज दूसरा- सौरभ पुत्र रामबहादुर उम्र करीब 28 वर्ष निवासी ग्राम चिल्ला कला थाना सोहागी जनपद रीवा म0प्र0 हालपता पप्पू पासी के मकान में सैदाबाद पुलिस चौकी के पीछे सीएचसी के सामने थाना हँडिया प्रयागराज को दिनांक 2.12.2024 समय 19.30 बजे गिरफ्तार किया गया जिनकी निशनदेही पर 190 खाली गैस

चोरी के 190 खाली गैस सिलेण्डर व टाटा मैजिक गाड़ी बरामद

सिलेण्डर 14 डॅ इण्डेन मार्का बरामद किया गया। जिसमें से थाना मीरगंज अन्तर्गत ग्राम सेमरी के जनार्दन इण्डेन गैस एजेन्सी से 141 सिलेण्डर दिनांक-19.11.2024 को चोरी किया गया था तथा दिनांक-27.05.2024 को थाना क्षेत्र पवारा के कुँवर पुर गैस एजेन्सी से 49 सिलेण्डर चोरी किया गया था। अभियुक्तों

के आपराधिक इतिहास की जानकारी की जा रही है पुलिस का कहना है।

50 लाख की रंगदारी न देने पर व्यवसायी को गोली मारने की मिली धमकी

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर के नई आबादी मोहल्ला निवासी रस्सी,बांध के व्यवसायी रवि जायसवाल के मैनेजर के फोन नंबर पर अंजान नंबर से फोन करके पचास लाख रुपए रंगदारी की मांग की गई है। रुपया न देने पर जान से मारने की धमकी मिली, धमकी से व्यापारी भयभीत है। पुलिस मामले की रिपोर्ट दर्ज कर छानबीन में जुटी है। नगर के नई आबादी सुल्तानपुर मार्ग निवासी रवि जायसवाल रस्सी का कारोबार करते हैं। उनका एक होटल नगर के अयोध्या मार्ग नवल प्लाजा के नाम से संचालित है। होटल में मैनेजर के पद पर सोनू यादव निवासी कौड़िया कार्यरत हैं। मैनेजर के मोबाइल पर गत गुरुवार को रात करीब नौ बजे अनजान नंबर से फोन आया जिसमें फोन करने वाले व्यक्ति ने मैनेजर को धमकी देते हुए कहा कि अपने मालिक रवि जायसवाल से कह दो कि पचास लाख रुपए दो दिन के भीतर शाहगंज रेलवे स्टेशन पर जहां मैं कहूंगा वहां लाकर दे देना नहीं तो गोली मारकर खत्म कर देंगे। पीड़ित व्यवसायी रवि जायसवाल ने घटना की जानकारी कोतवाली पुलिस को देते हुए अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत करते हुए मामले की छानबीन शुरू कर दी है। फिलहाल रंगदारी मांगने के इस मामले को लेकर व्यापारी व परिजन बेहद भयभीत हैं।

परिजन हुए भयभीत, व्यापारियों में मचा हड़कंप, मुकदमा दर्ज कर छानबीन में जुटी पुलिस

सुरेरी पुलिस ने दुष्कर्म व पाक्सो एक्ट के आरोपित को किया गिरफ्तार

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। थानाध्यक्ष सुनिल कुमार वर्मा की देख-रेख मे

उपनिरीक्षक अम्ब्रीश कुमार सिंह मय हमराह का0 विकास यादव थाना सुरेरी जनपद जौनपुर द्वारा मु0अ0सं0 50/24 धारा 363,366, 376 भादवि व 5/6 पाक्सो एक्ट थाना सुरेरी जनपद जौनपुर में वांछित अभियुक्त - अब्दुल्ला शेख पुत्र हिसामुद्दीन शेख निवासी ग्राम नेवादा थाना फूलपुर जनपद आजमगढ़ व हाल पता रुम नं0 20 एसपीचाल कौसा थाना मोम्बरा जिला थांणे मुम्बई(महाराष्ट्र) उम्र करीब 20 वर्ष को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही की जा रही है।

जौनपुर को महानगर बनाने में जुटे कृपाशंकर सिंह

कृपाशंकर सिंह ने जनपद की समस्याओं को लेकर सीएम से की मुलाकात

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जनपद को महानगर बनाने की कवायद में जुटे महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्यमंत्री एंव गत लोकसभा चुनाव में जौनपुर से भाजपा प्रत्याशी रहे कृपाशंकर सिंह ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से लखनऊ में सोमवार को मुलाकात करके विकास के विभिन्न मुद्दों पर वार्ता करके मुख्यमंत्री की सहमति प्राप्त की।

कृपाशंकर सिंह ने जौनपुर की समस्याओं पर मुख्यमंत्री से विस्तारपूर्वक चर्चा की। मुख्यमंत्री ने उन्हे जौनपुर के विकास का पहिया नहीं रूकने का भरोसा दिया। पूर्व प्रत्याशी ने मुख्यमंत्री के समक्ष महाकुंभ के अवसर पर मुंगराबादशाहपुर में लगने वाले जाम से निजात के लिये अतिरिक्त बसों के ठहराव तथा रेलवे क्रासिंग के ऊपर ओवरब्रिज बनाने की मांग की,जिस पर मुख्यमंत्री ने सहर्ष स्वीकृति प्रदान कर दी। कृपाशंकर सिंह के जौनपुर के विभिन्न क्षेत्रों की एक दर्जन से अधिक सड़कों के चौड़ीकरण की मांग को भी मुख्यमंत्री ने स्वीकृति दे दी। पूर्व गृहराज्यमंत्री ने महाकुंभ में आने वाले भक्तों की सहुलियत के लिये महाकुंभ स्थल से महज दो किमी पर ही बस स्टैंड बनाने का मुद्दा भी रखा,जिस पर मुख्यमंत्री ने भक्तों की समस्या को दूर करने का आश्वासन देते हुए इस मांग को भी स्वीकृति दे दी।

सेंट थॉमस चौराहे पर ट्रक और स्कार्पियो में जोरदार टक्कर, बाल बाल बचे लोग

शिव कुमार प्रजापति

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर के सबसे व्यस्तम मार्गो में से

एक बलिया लखनऊ राज्य मार्ग सेंन्ट थॉमस चौराहा जो कि तहसील मुख्यालय से चंद कदम की दूरी पर स्थित है सुबह ग्यारह बजे स्कार्पियो और ट्रक में जोरदार टक्कर हो गयी जिससे स्कार्पियो का आगें का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त होगा। मगर इस दुर्घटना में कोई भी हताहत नहीं हुआ। टक्कर के पश्चात चौराहे पर भीषण जाम लगने से लोगों को काफी परेशानियों का सामने करना पड़ा। इस चौराहे पर लगभग प्रतिदिन कोई न कोई दुर्घटना होती रहती है और लोगों को जानमाल की क्षति भी हो जाती है।जिससे भीषण जाम लग जाता है। आपको अवगत कराते चले कि इसी चौराहे से प्रतिदिन छः विद्यालय के बच्चे गुजरते हैं मगर इस चौराहे पर सुरक्षा के लिए कोई भी पुख्ता प्रबंध नहीं है। स्थानीय लोगों ने बहुत बार इस बाबत अपनी आवाज उठाई कि इस चौराहे पर गति अवरोधक का निर्माण करा दिया जाए। और विद्यालय के समय दो कास्टेबल की ड्यूटी इस चौराहे पर लगा दी जाए। जिससे तेज गति से गुजरती गाड़ियों की गति को कुछ हद तक नियंत्रित किया जाए। मगर स्थानीय लोगों की आवाज को प्रशासन नकारता चल रहा है और किसी बड़ी अनहोनी का इंतजार कर रहा है। समय रहते यदि शासन प्रशासन अपनी चिर निद्रा त्याग कर कोई पुख्ता इंतजाम नहीं करता है तो इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है कि किसी दिन बहुत ही बड़ी दुर्घटना घट सकती है।

स्कूल में लगी प्रदर्शनी देख बच्चों के कार्यो को मिली सराहना

डॉ.इम्तियाज अहमद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शहर के हमाम दरवाजा स्थित डालिम सनबीम स्कूल में विज्ञान और कला प्रदर्शनी एवं वार्षिक पान फेट का आयोजन किया गया था। उक्त आयोजन में स्कूल के छात्र-छात्राओं ने विभिन्न प्रकार के मॉडल बनाकर लोगों के सामने प्रस्तुत किये। मुख्य

अतिथि वरिष्ठ समाज सेवी ज्ञान प्रकाश सिंह थे।विशेष अतिथि कर्नल पुष्पेंद्र सिंह एवं हृदय रोग विशेषज्ञ डॉक्टर हरेंद्र देव सिंह ने मॉडलों का निरीक्षण किया और बच्चों के द्वारा बनाई गई विभिन्न प्रकार की कलाकृतियों की सराहना की। स्वागत मोहम्मद हसन पीजी कॉलेज के प्राचार्य एवं डॉलिंस सनबीम स्कूल के अध्यक्ष डॉ.अब्दुल कादिर खान ने किया। ज्ञान प्रकाश सिंह ने विद्यालय के छात्रों एवं अध्यापकों की सराहना की कहा कि बच्चों की विज्ञान और कला प्रदर्शनी उत्कृष्ट है और सभी बच्चों को भविष्य में इसी लगन और परिश्रम से कार्य करने को कहा जिससे अपने देश भारत का नाम विश्व के मानचित्र पर रोशन हो। डायरेक्टर जरिया अधहमी ने विद्यालय की उपलब्धियों के बार में विस्तार से बताया। इस अवसर पर समाजसेवी जितेंद्र यादव, डीएलएड प्रभारी आरपी सिंह, प्रधानाचार्य डॉ.अलका, नवल अहमद, समीर अस्थाना, सबा खान, दुर्गेश दुबे रानू पांडे, एकराम अहमद आदि मौजूद रहे।

कुलपति ने किया सेमेस्टर परीक्षाओं का औचक निरीक्षण

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह ने मंगलवार को महाविद्यालय में चल रही सेमेस्टर परीक्षाओं का निरीक्षण किया। परीक्षा की सुचिता को बनाए रखने के लिए कड़े निर्देश दिए। पहली पाली में संपन्न हुई परीक्षा का सीसीटीवी भी देखा। कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह ने जौनपुर जनपद के गुलाबी देवी महाविद्यालय, अब्दुल अजीज अंसारी महाविद्यालय एवं फरीदुलहक महाविद्यालय का परीक्षा के दौरान निरीक्षण किया। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा दिया गए निर्देशों की स्थिति जानी और सीसीटीवी को भी चेक किया। अब्दुल अजीज महाविद्यालय के रसायन विभाग के लैब का भी निरीक्षण किया। औचक निरीक्षण में परीक्षा नियंत्रक डॉ.विनोद कुमार सिंह भी शामिल रहे। विश्वविद्यालय की सेमेस्टर परीक्षा गाजीपुर, जौनपुर एवं प्रयागराज जनपद के 380 केंद्रों पर संपन्न हो रही है जिसमें गाजीपुर जनपद में 214, जौनपुर जनपद में 165 एवं प्रयागराज जनपद में एक केंद्र समय से सेमेस्टर परीक्षाओं के संपन्न होने के लिए बनाए गए। समय से परीक्षा संपन्न कराने एवं परीक्षाफल घोषित करने के लिए 3 दिसंबर से 31 दिसंबर तक तीन पाली में परीक्षा कराई जा रही है। पहली पाली सुबह 8:00 बजे से 10:00 बजे तक दूसरी पाली 11:00 से 1:00 तक और तीसरी पाली 2:00 बजे से 4:00 तक आयोजित की गई है।

पहली पाली की परीक्षा की देखी गई सीसीटीवी रिकॉर्डिंग

डॉ.विजय प्रकाश सिंह की पुस्तक साईप्रेसी आफ उत्तर प्रदेश का हुआ विमोचन

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। राजकीय महिला महाविद्यालय के वनस्पति विज्ञान के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ.विजय प्रकाश सिंह की पुस्तक साइप्रेसी

आफ उत्तर प्रदेश का विमोचन महाविद्यालय की प्राचार्या डा. नूर तलअत, प्रोफेसर डा. मोती चंद यादव, एसोसिएट प्रोफेसर डा. संजय वर्मा, डॉ.आनंद सिंह के कर कमलों द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। अपने उद्बोधन में प्राचार्या ने कहा कि एक पुस्तक लिखने में किसी लेखक को कितनी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है? उसे किन किन माध्यमों से जानकारी एकत्र करने के बाद उसे क्रमबद्ध करके पुस्तक के रूप में प्रस्तुत करना पड़ता है यह सिर्फ एक लेखक ही जान सकता है। अपनी पुस्तक के विषय में बताते हुए डा. विजय प्रकाश सिंह ने कहा कि मैंने इस विषय पर शोधकार्य कोलकाता के बाटेनिकल सर्वे आफ इण्डिया के संस्थान से किया है। जो कि वनस्पति सर्वेक्षण के क्षेत्र में शोध कार्यो को सम्पादित करता है इस संस्थान की विश्व में अपनी अलग पहचान है। उन्होंने आगे बताया कि वनस्पति विज्ञान के क्षेत्र में शोध करने वाले छात्रों के लिए यह पुस्तक बेहद उपयोगी सिद्ध होगी। इस पुस्तक के अतिरिक्त डा. सिंह का वनस्पति विज्ञान के क्षेत्र में 20 से अधिक शोधपत्रों का प्रकाशन राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय जनरलों में प्रकाशित हो चुका है। कार्यक्रम का सफल संचालन अमृता बरनवाल एवं आभार डा. विजय प्रकाश सिंह ने ज्ञापित किया। इस अवसर पर महाविद्यालय का समस्त परिवार उपस्थित होकर डा. विजय प्रकाश सिंह को बधाई दिया।

अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस पर हुआ भव्य आयोजन, मौजूद रहे दिव्यांग व सरकारी विभाग के लोग

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। आज नगर क्षेत्र के शिया इन्टर कालेज के मैदान में विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर समेकित शिक्षा द्वारा कार्यक्रम का अयोजन किया गया कार्यक्रम का शुभारंभ जिलाधिकारी दिनेश चन्द्र ने शिक्षा की देवी सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन माल्यार्पण कर किया साथ में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ गोरखनाथ पटेल , लेखाधिकारी राजीव पाण्डेय गहना कोठी से विनीत सेठ ने दीप प्रज्वलित किया इसके बाद जिला बेसिक अधिकारी ने डीएम दिनेश चन्द्र को बूंके साल,मोमेंटो देकर सम्मानित किया समेकित शिक्षा समन्वयक शशिधर उपाध्याय द्वारा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ गोरखनाथ पटेल, लेखा अधिकारी राजीव पाण्डेय, विनित सेठ, एबीएसए उदयभान कुशवाहा, सौरभ कनौजिया, विशाल उपाध्याय, अरुण मौर्या, दुर्गेश पटेल को बुंके साल, मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।

इस मौके पर डीएम ने एक गुब्बारा हवा में छोड़ा ट्रैक पर मसाल लेकर खड़े दिव्यांग छात्र आशीष गौंड ने मैदान में दौड़ लगाई। इसी क्रम में केला दौड़ में वासिफ प्रथम, विक्की द्वितीय, विराट तृतीय 50 मीटर बालिका दौड़ में परी सरोज प्रथम, तान्या द्वितीय, 100 मीटर दौड़ में नितेश प्रथम, शिवा शर्मा द्वितीय, गोली चम्मच दौड़ में विक्की प्रथम , समर द्वितीय आयुष तृतीय सुलेख में स्वतंत्र प्रथम, महिमा द्वितीय, आकांक्षा तृतीय आदि गेम कराए गए मौके पर सभी विकास खण्डों से विशेष शिक्षक ज्योति सिंह, विवेक सिंह, संजय मिश्रा प्रमोद कुमार माली, मनोज गुप्ता, शक्ति सिंह विजय सिंह सुनीता कुशवाहा आनन्द तिवारी आदि लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सुनील सिंह ने किया।

खुले आसमान के नीचे दिया गया आंगनबाड़ी कार्यकताओं को प्रशिक्षण, सरकारी व्यवस्थाओं पर उठे सवाल

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में पोषण भी पढ़ाई भी कार्यक्रम के तहत आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण के दूसरे बैच का पहला दिन व्यवस्था की कमी के कारण चर्चा में रहा। सोमवार को आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को खुले आसमान के नीचे मंदिर के चबूतरे पर बैठाकर प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण आयोजक बाल विकास परियोजना अधिकारी (सीडीपीओ) ने बताया कि ब्लॉक सभागार के लिए खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) से अनुरोध किया गया था। बीडीओ बीएन द्विवेदी ने बताया कि सभागार में पहले से ही एक बैठक आयोजित थी। इसलिए इसे खाली कराना संभव नहीं था। प्रदेश सरकार द्वारा मिशन शक्ति कार्यक्रम के अंतर्गत महिलाओं के अधिकारों और उनकी प्राथमिकता को बढ़ावा देने के प्रयास किए जा रहे हैं। बावजूद इसके, महिला आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए बुनियादी सुविधाओं का अभाव चिंताजनक है। स्थानीय लोगों और कार्यकर्ताओं ने अधिकारियों की उदासीनता पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि यदि प्रदेश सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में गंभीर है। तो ऐसे कार्यक्रमों के लिए उचित सुविधाएं उपलब्ध करानी चाहिए। मंदिर के चबूतरे पर खुले आसमान के नीचे प्रशिक्षण न केवल असुविधाजनक था। बल्कि यह जिम्मेदार अधिकारियों की प्राथमिकताओं पर भी सवाल खड़े करता है। इस घटना ने महिला सशक्तिकरण की नीति और जमीनी हकीकत के बीच की खाई को उजागर किया है।

महिला कार्यकर्ताओं ने मांग की है कि भविष्य में ऐसी परिस्थितियां न दोहराई जाएं और उनके लिए सम्मानजनक और उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा विवाह में हुए शामिल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा अपने पैतृक गांव रोहियांव विकास खंड सुजानगंज, पोस्ट मधुपुर, जिला जौनपुर उत्तर प्रदेश में अपने भतीजे अभिषेक मिश्रा (प्रिंश मिश्रा) के शुभ विवाह में उपस्थित होकर वर-वधू को आशीर्वाद प्रदान किया । जिसमें रमाकांत दुबे, अनिल दुबे, उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा, पिता रमाशंकर मिश्रा, उमाशंकर मिश्र, फूल चंद मिश्रा, विजय चंद मिश्रा, रमापति, सभापति मिश्रा आशुतोष मिश्रा, पत्रकार अवधेश मिश्रा (रिक्की मिश्रा), फुफा शेषराज तिवारी, सिद्धार्थ मिश्रा, वरिष्ठ समाजसेवी रामलखन मिश्रा, राहुल मिश्रा, छोटू , अनुज मिश्रा सहित कई लोगों ने वर-वधु को आशीर्वाद प्रदान किया।

छठी साकिब रिजवी मेमोरियल कैंसर जागरूकता मैराथन सफलतापूर्वक संपन्न

मुंबई(उत्तरशक्ति)। रिजवी ग्रुप के हेल्प योरसेल्फ फाउंडेशनर द्वारा आयोजित, एडवोकेट रूबीना अख्तर हसन रिजवी और डॉ. अख्तर हसन रिजवी के नेतृत्व में आयोजित छठी साकिब रिजवी मेमोरियल कैंसर जागरूकता मैराथन भारी भागीदारी के साथ संपन्न हुई। यह आयोजन कैंसर जागरूकता, पर्यावरणीय स्थिरता और महिला सुरक्षा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। एमएमआरडीए जी8 ग्राउंड, बीकेसी, मुंबई में आयोजित मैराथन में हजारों धावक, स्वयंसेवक और समर्थक एकत्र हुए, जिन्होंने सकारात्मक बदलाव के लिए अपना समर्थन दिखाया। इस वर्ष की मैराथन का मुख्य विषय महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण था, जो सभी के लिए एक सुरक्षित और समावेशी वातावरण बनाने की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है। साथ ही, गो ग्रीन, प्लास्टिक-मुक्त अभियान ने पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाई और प्रतिभागियों को पर्यावरण-अनुकूल आदतें अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम की मुख्य बातें दिन की शुरूआत एक ऊजार्वान वार्म-अप सत्र के साथ हुई, जिसके बाद गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में मैराथन को हरी झंडी दिखाई गई। इस मौके पर अभिनेता अरबाज खान, स्वरा भास्कर, और मुनव्वर फारुकी, जो इस कार्यक्रम के प्रमुख चेहरे थे, साथ ही ओलंपियन ऐश्वर्या मिश्रा और राहुल कदम, इस कार्यक्रम के राजदूत थे। सांसद वर्षा गायकवाड़, वसोर्वा विधानसभा क्षेत्र के एम एल ए हारुन खान, तारक मेहता शो के नितीन देसाई, अजमेर दरगाह के कमिटी मेंम्बर जावेद परेख, डॉक्टर कासीम इमाम, भी शामिल हुए और अभियान का समर्थन किया. राजनीतिक गणमान्य व्यक्तियों, विभिन्न देशों के वाणिज्य दूतों, चिकित्सा विशेषज्ञों ने कैंसर पर अनुभव साझा किए, जिससे कई लोगों को आशा की किरण मिली। आयोजकों की ओर से संदेश अधिवक्ता रूबीना अख्तर हसन रिजवी ने कहा: आज का विशाल मतदान हमारे सामूहिक प्रयासों की ताकत को दर्शाता है। यह मैराथन सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं है, बल्कि बदलाव के लिए एक आंदोलन है, जिसका उद्देश्य कैंसर जागरूकता, स्थिरता और महिला सुरक्षा को बढ़ावा देना है।

भारत, सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता का प्रबल दावेदार: मार्गरेट मैकलायड

मुंबई (उत्तरशक्ति)। लंदन स्थित अमेरिकन दूतावास में यूएस डिपार्टमेंट ऑफ स्टेट के तहत कार्यरत लंदन इंटरनेशनल मीडिया हब की हिंदुस्तानी प्रवक्ता मार्गरेट मैकलायड का मानना है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का विस्तार होता चाहिए और अमेरिका चाहता है कि नई दिल्ली को सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता मिले, जिससे दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश भारत जटिल अंतरराष्ट्रीय समस्याओं को हल करने और शांति स्थापित करने में योगदान करे।बीकेसी स्थित अमेरिकी वाणिज्य दूतावास में मुंबई के हिंदी पत्रकारों से बातचीत के दौरान लंदन से मुंबई पधारी सुश्री मैकलायड ने एक सवाल के जवाब में कहा कि भारत का दुनिया में प्रभाव तेजी से बढ़ रहा है और अब नई दिल्ली सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता का प्रबल दावेदार है। गौरतबल है कि 1945 में जब संयुक्त राष्ट्र संघ सुरक्षा परिषद गठन हुआ था उस वक्त केवल 51 देश थे अब 193 देश हैं। इस लिहाज से इसके विस्तार की जरूरत है। यूक्रेन को अमेरिकी सहायता देने की पैरवी करते हुए कहा कि रूस यूक्रेन को तबाह करने पर तुला हुआ है ऐसे में अमेरिका कैसे चुप रह सकता है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन की संप्रभुता की रक्षा करने के लिए मानवीय आधार पर पूरी दुनिया को यूक्रेन की मदद करनी चाहिए। सुश्री मैकलायड ने कहा कि अमेरिका ने रूस के खिलाफ यूक्रेन को मजबूत समर्थन देना इसलिए जारी रखा है, क्योंकि रूस वहां स्कूलों, अस्पतालों और रिहाइशी इलाकों पर बमबारी कर रहा है। ऐसे में अगर अमेरिका यूक्रेन का समर्थन करना बंद करता है, तो यह यूरोप में अस्थिरता पैदा करेगा और विश्व स्तर पर अमेरिकी नेतृत्व की साख को कमजोर करेगा। इस युद्ध को लोकतंत्र और अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के लिए एक बड़ी चुनौती माना गया है, और अमेरिका ने इसे हर संभव मदद देने की प्रतिबद्धता जताई। मार्गरेट मैकलायड ने गाजा संघर्ष मुद्दे पर बाइडन प्रशासन के रुख का जोरदार तरीके से समर्थन करते हुए कहा कि अमेरिका इजरायल की सुरक्षा का समर्थन करता है, लेकिन उसने मानवीय सहायता के लिए गाजा में राहत सामग्री की पहुंच बढ़ाने और नागरिकों के लिए स्थिति को सुधारने की अपील की है। उन्होंने हमास को संघर्षविराम वार्ता को बाधित करने के लिए जिम्मेदार ठहराया है।

नव निर्वाचित आमदार एक दूसरे को दी बधाई

वसई । वसई विरार भारतीय जनता पार्टी जिला अध्यक्ष महेंद्र पाटिल और नालासोपारा नवनिर्वाचित आमदार राजन नाइक, जिला उपाध्यक्ष मनोज बारोट, युवा मोर्चा महामंत्री, महिला मोर्चा महामंत्री प्रज्ञा पाटिल ने वसई विरार पालघर के पालक मंत्री रविंद्र चौहान से मुलाकात किया। नालासोपारा नव निर्वाचित आमदर और और डोंबिवली नवनिर्वाचित आमदार रविंद्र चौहान और पालक मंत्री एक दूसरे को बधाई दिया और वसई विरार जिला अध्यक्ष महेंद्र पाटील और उनके संगठन टीम को जब से जवाबदारी लिया है तब से अभी तक सफलता चुनाव में मिली है। उसका यश पूरी संगठन को दिया और आनेवाले महानगर पालिका चुनाव में ऐसी सफलता दिलाने के लिए काम करने का सुझाव दिया।

संजय पोतनीस को विधायक चुने जाने से पर दी बधाई

मुंबई। गत रविवार को कलिना विधानसभा के विधायक संजय पोतनीस को लगातर तीसरी बार विजयी होने पर उनके कार्यालय में लोगों ने शाल व श्रीफल देकर बधाई दी। बधाई देने वालों में उत्तरशक्ति हिंदी दैनिक समाचार पत्र के संवाददाता सुखविंदर सिंह,देवदास मुरांजन सहित कई लोग मौजूद रहे। इस मौके पर विधायक ने उपस्थित लोगों को धन्यवाद देते हुए कहा कि आप लोगों के लिए कभी भी किसी भी समय मिलने के लिए मैं हर संभव उपस्थित रहूंगा।आप लोगों की शिकायतों को हर संभव निस्तारण करने का प्रयास करूंगा।

मनोज शर्मा वसई विरार जिला सचिव पद पर नियुक्त

वसई। वसई विरार जिला भारतीय जनता पार्टी की तरफ से जिला अध्यक्ष महेंद्र पाटील द्वारा आज मनोज शर्मा को वसई विरार जिला सचिव पद पर नियुक्त किया । जिसका नियुक्ति पत्र वसई विरार जिला अध्यक्ष महेंद्र पाटील ने युवा मोर्चा महामंत्री अभय कक्कड़ नरेंद्र सोनी, दुर्लभ पढ़ीयार, उपस्थिति में दिया उस वक्त मनोज शर्मा ने जिला अध्यक्ष का आभार व्यक्त किया और आने वाले चुनाव या संगठन में दिन रात मेहनत कर ने का भरोसा दिया। उपस्थित अभय कक्कड़, नरेंद्र सोनी, दुर्लभ पढ़ीयार का आभार मनोज शर्मा ने जताया नियुक्ति की जानकारी मिलते सभी कार्यकर्ता प्रशंसक में खुशी की लहर दौड़ पड़े और सभी की तरफसे शुभ कामना मिला।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के खिलाफ प्रदर्शन,हिंदू और मंदिरों को मिले सुरक्षा: आचार्य पवन त्रिपाठी

मुंबई(उत्तरशक्ति)। 'जाग्रतो बांग्ला' ने बांग्लादेश में सरकारी संरक्षण में हो रहे अत्याचारों के खिलाफ कड़ा विरोध जताया और मुंबई में बांग्लादेश के उप उच्चायुक्त को ज्ञापन सौंपा। 'जाग्रतो बांग्ला' के सदस्यों ने बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के बाद सरकारी संरक्षण में हो रहे बड़े पैमाने पर अत्याचारों के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। निषेधाज्ञा का पालन करते हुए और उचित प्रक्रिया का पालन करते हुए, संगठन के प्रतिनिधियों ने कफ परेड, मुंबई स्थित बांग्लादेश के उप उच्चायुक्त के कार्यालय का दौरा किया और ज्ञापन सौंपते हुए श्री चिन्मय दास प्रभु और इस्कॉन के अन्य धार्मिक नेताओं की तत्काल रिहाई की मांग की। 'जाग्रतो बांग्ला' के प्रतिनिधियों ने मिशन के अधिकारियों को याद दिलाया कि कैसे भारत ने बांग्लादेश की आजादी में मदद की थी और यह भी याद दिलाया कि बांग्लादेश के हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों ने भी मुक्ति वाहिनी के साथ उनके मुक्ति संग्राम में समान रूप से भाग लिया था। पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुंबई भाजपा उपाध्यक्ष और श्रीसिद्धिविनायक मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी ने कहा कि बांग्लादेश में जिस तरह से धार्मिक चरमपंथियों को खुली छूट दी गई है और अल्पसंख्यकों पर जिस तरह के अत्याचार किए जा रहे हैं, वह दुर्भाग्यपूर्ण है। जहां जिहादियों को अधिकारी रिहा कर रहे हैं, वहीं अल्पसंख्यक धार्मिक नेताओं और गुरुओं को बिना किसी कारण के गिरफ्तार किया जा रहा है। हम कार्यवाहक सरकार से मांग करते हैं कि हिंदू धार्मिक नेताओं को बिना किसी पूर्व शर्त के तुरंत रिहा किया जाए और सभी हिंदू मंदिरों और धार्मिक स्थलों की सुरक्षा के लिए सुरक्षा प्रदान की जाए। 'जाग्रतो बांग्ला' के संयोजक रंजन चौधरी ने अधिकारियों से कहा कि जब तक बांग्लादेश ने भारत के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध बनाए रखे और धर्मनिरपेक्षता का पालन किया, तब तक इसने बहुत प्रगति की। हालांकि, अगर इसने इसे अनदेखा किया तो बांग्लादेश की स्थिति पाकिस्तान, श्रीलंका या अफगानिस्तान जैसी ही हो जाएगी। वहीं अन्य प्रतिनिधि सुभगत दास ने कहा कि कार्यवाहक सरकार के मौजूदा मुखिया अपने ही शब्दों का पालन नहीं कर रहे हैं। निरंजन बोस ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान जब पश्चिमी पाकिस्तान ने तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) को खाद्यान्न आपूर्ति रोक दी थी, तब भोजन की भारी कमी थी और लोग भूख से मर रहे थे। उस समय इस्कॉन ने कई दिनों तक बांग्लादेश के सभी धर्मों के लाखों लोगों को भोजन वितरित किया। 'जाग्रतो बांग्ला' के प्रतिनिधियों ने चेतावनी दी कि यदि बांग्लादेश सरकार ने तत्काल कदम नहीं उठाए तो विश्वव्यापी आंदोलन होगा और वे पूरे भारत में आंदोलन शुरू करेंगे तथा इस मामले को संयुक्त राष्ट्र में भी ले जाएंगे। बता दें कि 'जाग्रतो बांग्ला' संगठन सनातनी बंगालियों के लिए काम करता है और बांग्ला भाषा, संस्कृति और कला और साहित्य की रक्षा करता है। यह संगठन दुनिया भर में बंगालियों के खिलाफ किसी भी तरह के अत्याचार के खिलाफ आवाज उठाता है।

बिंद समाज विकास संघ द्वारा रक्तदान एवं नि :शुल्क स्वास्थ्य जांच 8 दिसम्बर को

मुंबई (उत्तरशक्ति)। 8 दिसंबर 2024 रविवार को बिंद समाज विकास संघ द्वारा रक्तदान महादान के तर्ज पर रक्तदान का आयोजन किया गया है। यह कार्यक्रम सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक लायन बापा ताराचंद हॉस्पिटल, जैन सोसायटी, सायन ईस्ट मुंबई में किया गया है। सभी मुंबई रहिवासियों के नागरिकों से अपील किया है कि अधिक से अधिक संख्या में आकर रक्तदान करके दूसरे के जीवन को जीवन दान देकर जीवन दान दाता बने। एक स्वस्थ व्यक्ति के शरीर में लगभग, साढ़े 4 से साढ़े 5 लीटर रक्त पाया जाता है। जिसमें एक यूनिट रक्तदान बड़ी आसानी से किया जा सकता है। रक्तदान करने से दिल की सेहत बेहतर होती है। हार्ट अटैक का खतरा कम हो जाता है। शरीर में मौजूद हानिकारक आयरन बाहर निकल जाता है। ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रोल का स्तर नियंत्रित होता है। नई ब्लड सेल्स बनने में मदद मिलती है। कैंसर का खतरा कम हो जाता है, वजन घटाने में मदद मिलती है, चर्म रोग संबंधित बीमारियों में फायदा होता है, दिल, दिमाग, मानसिक, स्वास्थ्य बेहतर होता है, स्ट्रेस कम होता है, इमोशनल हेल्थ बेहतर होता है, नेगेटिव फीलिंग दूर होती है, अकेलापन कम होता है, लोगों से लगाव होना अच्छा भलाई करने का एहसास होता है। रक्तदान करने से किसी भी प्रकार की कमजोरी या नुकसान नहीं होता है। रक्तदान करने के बाद कुछ ही घंटे में ही नया खून बना लेता है। रक्तदान ही ऐसा काम है जो धर्म जाति द्वेष, नफरत सभी को तोड़ता है और जीवन जोड़ता है। कोई नहीं पूछता कि किसका खून है। एक सामान्य व्यक्ति एक बार में एक यूनिट रक्तदान कर सकता है। एक यूनिट ब्लड से तीन जिंदगियां आप बचा सकते हैं, एक हेल्थी व्यक्ति 3 महीने में एक बार रक्तदान कर सकता है। 18 वर्ष से 55 वर्ष के कोई भी स्वस्थ व्यक्ति रक्तदान कर सकता है,निःशुल्क जांचः रक्तदान करने वाले लोगों का निःशुल्क जांच कुशल चिकित्सकों द्वारा किया जाएगा। रक्तदान कैंप में, हार्ट चेकअप, ब्लड प्रेशर , पल्स रेट, शुगर, बॉडी मास इंडेक्स (इटक), बोन मिनिरल डेंसिटी (BMD) परिधि ऑक्सीजन संतृप्ति(SPO2), इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम (ECG), लीवर इलेक्ट्रोग्राफी (FIBRO SCAN), पलमोनरी फंक्शन टेस्ट (PFT), यह सभी प्रकार के जांच हॉस्पिटल और संघ की तरफ से रक्तदान करने वाले रक्तदान योद्धाओं को निशुल्क दिया जाएगा, साथ में ब्लड बैंक की तरफ से सर्टिफिकेट और संघ की तरफ से भी सर्टिफिकेट दिया जाएगा।

मुंबई में डायबिटीज के मामलों में खतरनाक स्तर की बढ़ोतरी: विशेषज्ञ

मुंबई। मुंबई में डायबिटीज (मधुमेह) से संबंधित मौतों में भारी वृद्धि हो रही है, जिससे स्पष्ट है कि यह बीमारी जनस्वास्थ्य के लिए एक बहुत बड़ा संकट बन गयी है। प्रजा फाउंडेशन की एक हालिया रिपोर्ट से पता चलता है कि 2014 से 2022 के बीच, डायबिटीज के कारण 91,318 लोगों की मौत हो गई। अकेले 2022 में 14,207 लोगों की मौत इस बीमारी से हुई जो 2014 के मुकाबले काफी अधिक है, जब सिर्फ 2,544 लोगों की मौत मधुमेह या उससे जुड़े करणों की वजह से हुई थी । डायबिटीज की महामारी केवल मुंबई तक सीमित नहीं है। द लैंसेट के अनुसार, 2022 में दुनिया भर में 828 मिलियन से अधिक वयस्क डायबिटीज से पीड़ित थे, जिनमें से एक चौथाई से अधिक मामले (212 मिलियन) भारत के थे। इस बीमारी को नियंत्रित करने के लिए, अधिकांश रोगी गोलियों पर निर्भर रहते हैं या इंसुलिन इंजेक्शन लेते हैं। शोध से स्पष्ट होता है कि मामले बढ़ रहे हैं लेकिन साबुत अनाज, फल-सब्जियों वाले (प्लांट बेस्ड) आहार को अपनाने से टाइप 1 और टाइप 2 दोनों किस्म के डायबिटीज के रोगियों के स्वास्थ्य परिणामों में काफी सुधार हुआ है। टाइप 1 डायबिटीज के एक अध्ययन में, रोगियों ने कैलोरी या काबोर्हायड्रेट पर बिना कोई प्रतिबंध लगाए सिर्फ.कम वसा वाले प्लांट बेस्ड आहार का पालन किया। सिर्फ.कुछ ही हफ़्तो में उनकी इंसुलिन सेंसिटिविटी 127% तक बढ़ी हुई पाई गयी। डायबिटीज में इंसुलिन सेंसिटिविटी कम हो जाती है। जिससे ब्लड शुगर लेवल बढ़ सकता है। इसी तरह, टाइप 2 डायबिटीज पर एक अध्ययन में पाया गया कि ऐसा आहार लेने वाले रोगियों में रोग के लक्षण में कमी या रोग के दूर होने की संभावना है जबकि पहले ऐसा कुछ हो पाना असंभव माना जाता था।

डॉ. जीशान अली, पीएचडी और फि जीशियंस कमेटी फॉर रिस्पॉन्सिबल मेडिसिन (पीसीआरएम) में अनुसंधान कार्यक्रम विशेषज्ञ, ने डी वाई पाटिल विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ हॉस्पिटैलिटी एंड टूरिज्म स्टडीज में एक सत्र के दौरान इस पर जोर दिया। 130 से अधिक पाक कला के छात्रों और शिक्षकों से बात करते हुए उन्होंने कहा, ?मुंबई में बढ़ती डायबिटीज की महामारी बस आंकड़ा भर नहीं है बल्कि यह चेतावनी है। डॉक्टरों, नर्सों, पोषण विशेषज्ञों और पाक कला के भावी विशेषज्ञों को इस जानकारी से लैस होना चाहिए कि साबुत अनाज, फल-सब्जियों वाले (प्लांट बेस्ड) आहार सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है।

मनोज बारोट ने दिया नियुक्ति पत्र

वसई। वसई विरार जिला उपाध्यक्ष मनोज बारोट ने आज वसई विरार जिला शहर सह प्रसिद्धि प्रमुख पद पर नियुक्त किया। उक्त नियुक्ति जिला अध्यक्ष महेंद्र पाटील की अनुमति से किया या गया। इस मौके पर आगामी आनेवाले महानगर पालिका के चुनाव ध्यान में रख कर जिला में मीडिया का विस्तार बढ़ाने हेतु सेअध्यक्ष महेंद्र पाटील ने नियुक्ति पत्र दिलवाया। इस अवसर पर नरेंद्र सोनी ने मनोज बारोट जो जिला प्रसिद्धि प्रमुख हैं उनके साथ काम कर के उनके कार्य भार बढ़ने से उनको आगामी कार्यकाल में मदद रूप होगे। ये नियुक्ति की जानकारी मिलने से पदाधिकारी कार्यकर्ता प्रशंसक में खुशी की लहर दौड़ गई और शुभ चिंतक शुभ कामना देने लगे और नरेंद्र सोनी ने और काम तेजी से करने का वादा जिला अध्यक्ष महेंद्र पाटील और उपाध्यक्ष मनोज बारोट को दिया।

महापौर पुरस्कृत प्रधानाध्यापक ईश्वरदेव पाल का सेवा सम्पूर्ति सम्मान समारोह संपन्न

मुंबई। मुंबई पब्लिक स्कूल, दिंडोशी वसाहत हिंदी शाला क्र.2 मालाड (पू.)के महापौर पुरस्कृत आदर्श प्रधानाध्यापक ईश्वरदेव पाल की बृहनमुंबई मनपा. शिक्षण विभाग में की गई 35 वर्ष 2 महीने 20 दिन की लंबी सेवा का सत्कार करने हेतु शाला व्यवस्थापन समिति एवं शाला परिवार द्वारा आयोजित विशाल सत्कार समारंभ की अध्यक्षता पूर्व उप शिक्षणाधिकारी अशोक मिश्रा ने किया। इस अवसर पर प्रमुखअतिथि के रूप में पूर्व नगरसेवक तुलसीराम शिंदे, कार्यकारी अध्यक्ष, आत्मनिर्भर भारत अभियान रामकुमार पाल, प्रशासकीय अधिकारी पंकज पिंपले के साथ विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व विभाग निरीक्षक भाग्यश्री यादव, पूर्व विभाग निरीक्षक रामराज पाल, प्र.विभाग निरीक्षक नम्रता गोसावी, प्र.विभाग निरीक्षक फूलादेवी जायसवाल, कनिष्ठ पर्यवेक्षक दुर्गा प्रसाद मिश्र,कर्जत के पूर्व उपनगराध्यक्ष लालधारी पाल उद्योगपति वंशनारायण पाल, हीरालाल पाल, जिबोध पाल, तथा पाल राजेंद्र जूनियर कॉलेज के ट्रस्टी धर्मेंद्र प्रताप पाल, योगाचार्य शीतलाप्रसाद यादव, वरिष्ठ शिक्षक बद्रीनारायण पाल, पूर्व मुख्या. रामकृपाल यादव, शिक्षक सभा के पूर्व उपाध्यक्ष नरेंद्रबहादुर सिंह ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम को भव्यता प्रदान की। कर्मठ शिक्षक एवं कुशल प्रशासक रहे ईश्वरदेव पाल को भावभीनी विदाई देने के लिए अनेक प्रधानाध्यापकों, तमाम शिक्षकों अभिभावकों एवं समाजसेवी लोगों से खचाखच भरे सभागृह में प्रमुख वक्ताओं में मुख्या. व इमारत प्रमुख जावेद खान, मुख्या. सीताराम चौधरी, पूर्व मुख्या. विजयलक्ष्मी जाधव, इ.शिक्षक राजेंद्र पाल, महापौर पुरस्कृत मुख्या. सरिता चौहान, राज्यपाल पुरस्कृत मुख्या. ब्रह्मदेव मिश्र पूर्व मुख्या.व गणितज्ञ रमाशंकर यादव, पूर्व मुख्या.अवधेश कुमार सिंह, कवि एवं पूर्व मुख्या. राम सिंह, से. नि. वरिष्ठ शिक्षक योगेंद्र सिंह कौशिक,राष्ट्र उदय पार्टी के रा. प्रवक्ता रामलखन पाल ने ईश्वरदेव पाल के बहुआयामी व्यक्तित्व एवं कृतित्व तथा सामाजिक व शैक्षणिक उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। इसके पूर्व कार्यक्रम के शुभारंभ में पं. विजय मिश्र द्वारा सरस्वती पूजन तथा संगीतज्ञ राजेश सिंह एवं उदय सोनपेठकर द्वारा मनमोहक सरस्वती वंदना व स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। वरिष्ठ शिक्षक राजीव मिश्र, प्रशि.शि. श्यामा दहबरा, संगीत शि. राजेश सिंह द्वारा प्रस्तुत सुंदर विदाई गीत एवं कुमार अर्नव द्वारा सत्कारमूर्ति अपने नाना के सम्मान में किया गया संबोधन कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण रहा। अपने संबोधन में धर्मेंद्र पाल, रामराज पाल,पंकज पिंपले व तुलसीराम शिंदे तथा अध्यक्ष अशोक मिश्र ने उनके द्वारा की गई लंबी सेवा में प्राप्त तमाम पुरस्कारों एवं प्रशस्तियों को त्याग, सेवा व समर्पण का प्रतिफल बताया। वरिष्ठ शिक्षक मोहन सिंह ने शाला परिवार द्वारा दिए गए अभिनंदन पत्र का वाचन किया तथा वरि. शि.बृजराज शुक्ल ने आभार प्रकट किया। कार्यक्रम का सुंदर सूत्र संचालन शिक्षक सभा के महासचिव व महापौर पुरस्कृत शिक्षक शरद सिंह ने किया। इस अवसर पर दिंडोशी शाला परिवार तथा सामाजिक संस्था 'पाल सेवा संघ' ने ईश्वरदेव पाल एवं उनकी धर्मपत्नी पुष्पादेवी का विशेष सत्कार किया। इंचार्ज शि. प्रभजीत कौर मनकू के नेतृत्व में सीमा सिंह, प्रियंका देशमुख,अंजू गुप्ता, परिणिता नागवंशी, गणेश ठसाल,दिनेश बर्वे, नरेंद्र परिहार शिवकुमार रहिले, अशोक भोंडेकर, नरेश शेंडे, दीपक पासी,उर्मिला यादव एवं गौतमी गमरे ने कार्यक्रम का सुंदर नियोजन किया। मुंबई से बाहर होने के कारण वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडेय, मुख्या.डा.नागेश पांडेय, पूर्व प्रशा. अधिकारी रवींद्रनाथ पांडेय, राष्ट्रपति पुरस्कृत पूर्व मुख्या. सत्यनारायण मिश्र, से.नि. प्रशा. अधि. महिमा एडवणकर, राष्ट्र उदय पार्टी के रा. अध्यक्ष बाबूराम पाल,प्रशा. अधिकारी सुचिता खाडे व अधीक्षक निशा यादव द्वारा पत्र के माध्यम से ईश्वरदेव पाल को भेजे गए शुभकामना संदेश उल्लेखनीय रहे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 'नवभारत रत्न' भेंट

मुंबई। प्रतिष्ठित प्राकृतिक हीरों के निर्माण और निर्यात की कंपनी श्री रामकृष्ण एक्सपोर्ट्स (एसआरके) के संस्थापक-चेयरमैन एमेरिटस, गोविंद धोलकिया ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक अनूठी भेंट दी है । भारत के नक्शे के आकार में तराशा गया एक प्राकृतिक हीरा, जिसे नवभारत रत्न नाम दिया गया है। यह 2.120 कैरेट का उत्कृष्ट हीरा भारत की एकता, सुंदरता और अनंत चमक का प्रतीक है, जिसे सूरत के कुशल शिल्पकारों ने बड़ी बारीकी और मेहनत से तैयार किया है। लगभग 3700 मिनट की मेहनत, योजना और बारीक प्रक्रिया के बाद तैयार हुआ यह हीरा देश की समृद्धि का और उज्वल भविष्य प्रतीक है। नवभारत रत्न हीरे की उत्कृष्टता कारीगरी और समर्पण का जीता-जागता प्रमाण है, जो रत्न कलाकार राजेशभाई कछाड़िया और विशालभाई इटालिया जैसे विशेषज्ञों की मेहनत से साकार हुआ। राजेशभाई, जिन्होंने एसआरके में 14 वर्षों का अनुभव प्राप्त किया है, ने भारत का नक्शा तैयार करने में 40 घंटे का समय दिया, और अपने कार्य को एक सैनिक के बलिदान के समान माना। उनका उत्साह गुजरात से उनकी गहरी भावनात्मक जुड़ाव से प्रेरित था। वहीं, विशालभाई, जो एसआरके में 6 वर्षों से कार्यरत हैं, ने इस हीरे की गिर्डल को 22 घंटों तक बारीकी से पॉलिश किया। दोनों ने मिलकर नवभारत रत्न को जुनून, कौशल और एक उज्जवल भविष्य की दृष्टि से परिपूर्ण किया। इस भेंट का व्यक्तिगत महत्व भी है एक ऐसा क्षेत्र जो हीरा निर्माण में दुनिया में अग्रणी है। सूरत और गुजरात, जो विश्व के 90% हीरों के प्रसंस्करण का केंद्र है, वैश्विक हीरा उद्योग के हृदय के रूप में चमकता है। यह अद्वितीय हीरा भारतीय शिल्पकारों की बेजोड़ प्रतिभा और भारत के बढ़ते वैश्विक महत्व को दशार्ता है।

सुरत गुजरात प्रदेश में होगा बीएसवीएस महिला इकाई का गठन

गुजरात (उत्तरशक्ति)। 1 दिसम्बर 2024 रविवार को बिंद समाज विकास संघ की महिला कार्यकर्ता ज्योति बिंद की अध्यक्षता में 103, सचिन पारडी, शिव दृष्टि रेसीडेंसी नियर बाबा सीताराम आश्रम, सूरत महानगर, में बैठक की गई। जिसमें कई महिलाओं ने भाग लिया। आपसी मेल मिलाप को स्थापित करने, रोजगार का अवसर उपलब्ध कराने शिक्षा पर जोर देने, आत्मनिर्भर बनाने ,आत्म सम्मान की रक्षा करना, अपने अधिकारों को जानना, समाज और परिवार के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने, संघ के उद्देश्यों को विस्तार रूप से आगे बढ़ाने, महिलाओं को बढ़ चढ़कर संघ में हिस्सा लेने के लिए चर्चा परिचर्चा किया गया। संघ की महिला सूरत अध्यक्ष बिंदु बिंद ने संघ के नीति और नियमों को बताते हुए गुजरात प्रदेश के महिला प्रकोष्ठ पदाधिकारियों का गठन करने, सदस्यों की संख्या बढ़ाने, आगामी कार्यक्रम पर चर्चा, संघ किस तरह से आगे बढ़े, संघ का विस्तार कैसे हो, सभी आए हुए पदाधिकारी एवं कार्यकताओं को संघ के उद्देश्यों को बताकर संघ से जुड़ने का आह्वान किया। बैठक में मुख्य रूप से, संघ की महिला जिलाध्यक्ष बिंदु बिंद, ज्योति बिंद, विभा सिंह, रूबी केवट, दीपाली, सुमन कश्यप, नीलम बिंद, मीना बिंद, प्रीति जायसवाल, संजू केवट, सुरेश बिंद, रामकुमार बिंद इत्यादि लोग मौजूद रहे।

कोटक एजुकेशन फाउंडेशन ने अपने वेब एप्लिकेशन 'वन केईएफ' के माध्यम से शिक्षकों के लिए पेश किया रेडीनेस प्रोग्राम

मुंबई(उत्तरशक्ति)। कोटक महिंद्रा ग्रुप की सीएसआर एजेंसी, कोटक एजुकेशन फाउंडेशन (के-इएफ) ने चार राज्यों, महाराष्ट्र, गुजरात, आंध्र प्रदेश और गोवा के स्थानीय स्कूलों के मिडिल स्कूल के बच्चों के लिए कम्यूनिकेटिव इंग्लिश फ्यूचर रेडी (सीई-एफआर) डिजिटाइज्ड कंटेंट लॉन्च किया है। यह प्रोग्राम क्षेत्रीय भाषाओं के स्कूलों के छात्रों के लिए बनाया गया है और वन केइएफ नामक एक लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (एलएमएस) ऐप के जरिए उपलब्ध है। इसे एंड्रॉइड प्लेटफॉर्म पर आसानी से एक्सेस किया जा सकता है। सीईएफआर कंटेंट इन राज्यों के सभी शिक्षकों के लिए उपलब्ध है। इसके माध्यम से सभी के लिए एक समान शिक्षा और बेहतर पहुंच सुनिश्चित की गई है। इस प्रोग्राम का उद्देश्य शिक्षकों को डिजिटल टूल्स और अन्य संसाधनों का सही उपयोग करने के लिए प्रशिक्षित करना है, जिससे छात्रों को ज्यादा से ज्यादा लाभ मिल सके।

कोटक एजुकेशन फाउंडेशन की एजुकेशन और स्कॉलरशिप्स की डायरेक्टर, सुश्री जयश्री रमेश ने कहा, हमारा डिजिटल कम्यूनिकेटिव इंग्लिश प्रोग्राम छात्रों के लिए वैश्विक अवसरों को पाने का एक प्लेटफॉर्म है। यह प्रोग्राम केवल भाषा सीखने तक सीमित नहीं है, बल्कि 21वीं सदी कि स्किल्स, जैसे कि क्रिटिकल थिंकिंग, प्रॉब्लम-सॉल्विंग और ग्लोबल सिटीजनशिप को भी बढ़ावा देता है। इसके साथ ही, इसमें वित्तीय और डिजिटल साक्षरता को भी जोड़ा गया है, जिससे यह एक परफेक्ट फ्यूचर-रेडी प्रोग्राम बन जाता है।

प्लेटिनम इवारा के साथ त्योहारों के लिए हो जाईये तैयार

मुंबई/पुणे। त्योहारों के दौरान जश्न और उत्साह के बीच सौंदर्य और आकर्षण के साथ आपका लुक पार्टी के बाद भी लंबे समय तक चर्चा में बना रहेगा। खूबसूरत परिधानों के अनुरूप निर्मित प्लेटिनम ज्वेलरी इन त्योहारों पर आपके स्टाईल से सभी को मंत्रमुग्ध करने के लिए तैयार है। प्लेटिनम इवारा के अद्वितीय आभूषण आपके स्टाईल से सभी को मंत्रमुग्ध करते हुए इस सीजन की खुशी में चार चांद लगा देंगे।

सितारों से जन्मा प्लेटिनम बहुमूल्य और दुर्लभ है। यह पृथ्वी पर बहुत सीमित मात्रा में उपलब्ध है। इसलिए यह विशेष लम्हों का सर्वोत्तम प्रतीक माना जाता है, जैसे, जब आपको पहली बार बोनस मिलता है, तब प्लेटिनम इवारा के बहुमूल्य प्लेटिनम ईयरिंग्स आपकी उपलब्धि की खुशी मनाने के लिए सर्वोत्तम हैं, क्योंकि यह ज्वेलरी एक दुर्लभ मैटल द्वारा बनाई जाती है। प्लेटिनम अन्य मैटल्स के मुकाबले ज्यादा घना और मजबूत होता है। इसलिए यह बहुमूल्य रत्नों पर सबसे सुरक्षित पकड़ प्रदान करता है, जो इसमें जड़े जाने के बाद उतने ही अद्वितीय और मोहक हो जाते हैं, जितनी अद्वितीय और मोहक इसे पहनने वाली महिलाएं होती हैं। रेशमी साड़ी के साथ पूजा के लिए पहनना हो या फिर देर रात तक कार्ड गेम खेलने के लिए आधुनिक इंडो-वेस्टर्न ड्रेस के साथ, प्लेटिनम इवारा के आकर्षक प्लेटिनम नेकलेस, मनमोहक प्लेटिनम रिस्ट वियर, सुंदर ईयरिंग्स, और खूबसूरत रिंग्स, ये सभी आपको बेहतरीन स्टाईल प्रदान करते हैं, साथ ही आधुनिक सिल्हुएट्स, ज्योमेट्रिक्स और शानदार टैक्सचर आपका आकर्षण और ज्यादा बढ़ा देते हैं। नाजुक, मिनिमल और सरल रूपों में अद्वितीय हीरों से बने ये आभूषण 95 प्रतिशत शुद्धता का दुर्लभ वादा पेश करते हैं, जो बहुमूल्य ज्वेलरी में सर्वाधिक शुद्धता का वादा है। ये आभूषण हर तरह के परिधान की सुंदरता बढ़ा देते हैं और बहुत ही आकर्षक एवं समृद्ध स्टाईल स्टेटमेंट प्रदान करते हैं।